CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-140
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

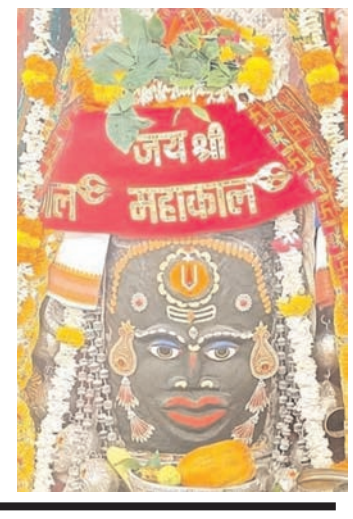

इंदौर, रविवार 25 अगस्त 2024

आज का विचार

खत्म होने जैसा जिंदगी में कुछ नहीं होता...
हमेशा एक नई सुबह आपका इंतजार करती है..

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 113वीं बार करेंगे मन की बात

तीसरे कार्यकाल में ये तीसरा मौका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (25 अगस्त) को आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह उनके रेडियो ब्रॉडकास्ट का 113वां एपिसोड है, जिसे 11 बजे ऑल इंडिया रेडियो, टीवी चैनल समेत सभी डिजिटल प्रसार माध्यमों पर एक साथ ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। पीएम मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 112वां संस्करण 28 जुलाई 2024 को प्रसारित हुआ था। इसमें उन्होंने पेरिस ओलिंपिक, मैथ्स ओलंपियाड, असम मोइदम, टाइगर डे, वनों के संरक्षण और

स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर देशवासियों के साथ चर्चा की। इस कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क पर किया जाएगा। इसे आकाशवाणी समाचार की वेबसाइट और न्यूज़ऑनएयर मोबाइल ऐप पर भी सुना जा सकेगा। इसके अलावा, इसे आकाशवाणी समाचार, डीडी न्यूज़, प्रधानमंत्री कार्यालय, और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। हिंदी प्रसारण के तुरंत बाद आकाशवाणी इसे क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रसारित करेगा।

खंडवा में पुलिस हिरासत में आदिवासी ने लगा ली फांसी

टीआई समेंत चार पुलिसकर्मी निलंबित, न्यायिक जांच होगी

खंडवा। खंडवा में 32 वर्षीय एक आदिवासी ने पुलिस हिरासत में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, जिसके बाद थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। खंडवा के पुलिस अधीक्षक मनोज राय ने बताया कि धर्मेंद्र पिता गुमान सिंह को शुक्रवार को पंधाना पुलिस ने हिरासत में लिया था, क्योंकि उसके पास से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल जब्त की गई थी। उन्होंने कहा कि उसे हवालात में रखा गया था, जहां उसने फांसी लगा ली। उसे पंधाना अस्पताल और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की जांच में पंधाना थाना प्रभारी, एक उप निरीक्षक और दो आरक्षकों की लापरवाही पाई गई। चारों को निलंबित कर दिया गया है। न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। धर्मेंद्र खरगोन का रहने वाला था और इंदौर में रह रहा था धर्मेंद्र ने चादर फाड़कर रस्सी बनाई और लॉकअप के रोशनदान में फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला खत्म कर ली। रोशनदान तक चढ़ने के लिए उसने बाल्टी का सहारा लिया। इस घटना के तुरंत बाद पुलिस सक्रिय हुई और उसे तुरंत खंडवा जिला अस्पताल लाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं, मृतक की पत्नी ने बताया कि चोरी के मामले में 4 दिन पहले पुलिस उसके पति को घर से पकड़ कर ले गई थी। जब वह अपने पति से मिलने थाने गई तो उसे मिलने नहीं दिया गया। शनिवार सुबह उसकी मौत की खबर आ गई। धर्मेंद्र के शव को जिला अस्पताल के मरचुरी रूम में रखा गया। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। थाना परिसर के साथ ही जिला अस्पताल में भी पुलिस का पहरा है।

धर्मेंद्र की पत्नी रानू बाई का कहना है कि हम लोग शाम को घर पर थे। उस समय पति सो रहे थे। इसी दौरान पुलिस आई। कुछ लोग सिविल ड्रेस में थे। उन्होंने पति की बांह पकड़ी और खींचकर साथ ले गए। हम लोगों को तीन दिन से मिलने तक नहीं दिया। उसका मोबाइल भी पुलिस के पास ही था। रानू का आरोप है कि उसके पति ने सुसाइड नहीं किया है बल्कि पुलिस ने उसे मारकर टांगा है।

अब नहीं गरजेगा शिखर धवन का बल्ला, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। 37 साल के इस खिलाड़ी ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में वे 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी-20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। संन्यास का एलान करते हुए धवन ने कहा कि नमस्कार दोस्तों! आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं, जहां से मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो ढेरों यादें नजर आती हैं और जब आगे देखता हूं तो पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से एक ही मंजिल थी इंडिया के खेलना और ऐसा हुआ भी। इसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, मेरा परिवार, मेरे बचपन के कोच तारिक सिन्हा, मदन शर्मा, जिनके अंडर मैंने क्रिकेट सीखी। फिर मेरी टीम जिनके साथ मैं वर्षों तक खेला। एक नया परिवार मिला। नाम मिला। साथ मिला। ढेर सारा प्यार मिला। कहते हैं न कि कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटने जरूरी है। बस, मैं भी ऐसा करने जा रहा हूं। मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास का एलान कर रहा हूं। अब जब मैं इस क्रिकेट यात्रा को अलविदा कह रहा हूं कि तो मेरे दिल में एक सुकून है

मध्यप्रदेश में भारी बारिश की वजह से नदी-नाले उफान पर, शहडोल में लगातार 10 घंटे तक तेज बारिश से बिगड़े हालात, उज्जैन में राम घाट पर कई मंदिर पानी में डूबे

शिप्रा नदी का रौद्र रूप

इंदौर/भोपाल। मध्यप्रदेश में हो रही जोरदार बारिश से नदी नाले उफान हैं। भारी बारिश के बाद मध्यप्रदेश के कई शहरों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। राजधानी भोपाल में भदभदा कालियासोत के गेट खोले दिए गए। इंदौर में सीजन में पहली बार यशवंत सागर लबालब भर गया। इसके चलते कुछ समय के लिए इसका एक गेट खोला गया। दूसरी तरफ उज्जैन में शिप्रा नदी में उफान पर है। शहडोल में भी लगातार 10 घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई । नर्मदा पुरम में भी तवा नदी के पांच गेट खोल दिए गए।उज्जैन जिले में लगातार बारिश के बाद नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे शिप्रा नदी के तट पर स्थित राम घाट पर कई मंदिर पानी में डूब गए हैं। एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने नदी के घाटों की ओर जाने वाली सड़कों पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं ताकि कोई दुर्घटना न हो। दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने और प्रार्थना करने के लिए यहां घाटों पर पिंडदान अनुष्ठान किए जाते हैं। अब, पुरोहित शिप्रा नदी के घाटों पर पानी के कारण घाटों के पास शेड बनाकर उन अनुष्ठानों को कर रहे हैं। बता दें प्रदेश में भारी बारिश के चलते उज्जैन के शिप्रा नदी का जलस्तर शुक्रवार सुबह से लगातार बढ़ रहा है। रामघाट पर एक पुलिया से जल-स्तर आठ फीट ऊपर बह रहा है। होमगार्ड स्टाफ और तैराकी स्टाफ एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) यहां तैनात हैं। ईश्वर लाल चौधरी, होम गार्ड स्टाफ रामघाट उज्जैन ने कहा कि घाट की ओर जाने वाली सड़कों पर बैरिकेड लगा दिए गए हैं। स्नान करने के लिए लोगों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। एक पुजारी हिमांशु व्यास ने बताया कि शिप्रा नदी के जलस्तर में पिछले दो दिनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि नदी अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही है, लेकिन जल-स्तर में यह वृद्धि लंबे समय के बाद देखी गई है। रामघाट के पुरोहित लोटा गुरु ने कहा कि लगातार बारिश के कारण, शिप्रा नदी उफान पर है और रामघाट पर सभी मंदिर जलमग्न हैं। हमें पूजा करने में भी दिक्कत आ रही हैं। हम घाट से दूर एक नजदीकी स्थान पर पिंडदान अनुष्ठान कर रहे हैं।

भारी बारिश से शहडोल का उमरिया और डिंडौरी से कनेक्शन कटा

शहडोल जिले में शुक्रवार रात से शुरू हुई मूसलाधार शनिवार को भी जारी रही। लगातार दस घंटे तक तेज बारिश हुई। इसके कारण शहडोल के निचले इलाकों में पानी भर गया । शहडोल नगर में पिछले 24 घंटे में 146 मिलीमीटर बारिश हुई है। इतनी ज्यादा बारिश होने की वजह से पूरे शहर में हाहाकार मच गया है। अत्यधिक वर्षा की वजह से राज्यपाल मंगू भाई पटेल का का दौरा भी निरस्त हो गया। शहडोल से उमरिया रोड भारी बारिश की वजह से बंद हो गया । नेशनल हाईवे 43 पर स्थित मुरना नदी में बाढ़ आ गई । शहडोल से डिंडोरी जाने वाला मार्ग भी बंद हो गया। अति वर्षा की वजह से शहडोल मुख्यालय से जिले के कई गांव का संपर्क टूट गया है। शहडोल रेलवे स्टेशन पर भी पानी भर गया था। पटरियां पानी मे डूब गई थीं। इससे कई ट्रेन प्रभावित हुईं। सुबह 5 बजे नागपुर के लिए जाने वाली शहडोल नागपुर ट्रेन अपने निर्धारित समय से लगभग 2 घंटे बाद निकली। इसके अलावा भी कई ट्रेन अपने निर्धारित समय से लेट चलीं।

तीन-चार दिन तक तेज बारिश के आसार

मौसम विभाग में मध्यप्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश को लेकर पहले ही घोषणा कर दी थी। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आने वाले तीन-चार दिनों में तेज बारिश का सिलसिला जारी रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, उज्जैन, इंदौर, भोपाल, जबलपुर संभाग के कई जिला में भारी बारिश की संभावना है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के संकेत दिए गए हैं।

एमपी में 10 फीसदी अधिक बारिश

मौसम विभाग की ओर से कई जिलों में तेज बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस मानसून के सीजन में मध्यप्रदेश में अभी तक सामान्य से 10 फीसदी अधिक बारिश हो चुकी है। एक बार फिर बारिश का सिलसिला जारी होने से यह आंकड़ा और भी ऊपर जाने वाला है।

छतरपुर में थाने पर पत्थरबाजी मामले में अब तक 29 लोग गिरफ्तार

छतरपुर। छतरपुर में कोतवाली पुलिस थाने पर पथराव मामले में आरोपियों की लगातार गिरफ्तारी हो रही है। पुलिस ने 46 को नामजद आरोपी बनाया है। शनिवार शाम 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इसके पहले 22 को शुक्रवार को जेल भेजा गया था। उधर, मामले में मुख्य आरोपी बनाए गए हाजी शहजाद के आलीशान मकान गिराए जाने के बाद शनिवार को सोशल मीडिया पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि किसी का घर तोड़ना और उसके परिवार को बेघर करना अमानवीय भी है और अन्यायपूर्ण भी। भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाया जाना बेहद परेशान करने वाला है। कानून के शासन द्वारा शासित समाज में ऐसे कार्यों का कोई स्थान नहीं है। कांग्रेस पार्टी संविधान की घोर अवहेलना, नागरिकों के बीच भय पैदा करने की रणनीति के रूप में बुलडोजर का उपयोग करने के लिए भाजपा राज्य सरकारों की कड़ी निंदा करती है। अराजकता प्राकृतिक न्याय का स्थान नहीं ले सकती। अपराधों का फैसला अदालतों में होना चाहिए, न कि राज्य-प्रायोजित दबाव के माध्यम से। पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई का विपक्ष के कई नेता विरोध जता चुके है। उधर, मुख्यमंत्री मोहन यादव कह चुके हैं कि कानून का जो उल्लंघन करेगा कानून अपना रास्ता बनाएगा।

सजा का एक तिहाई पूरा कर चुके विचाराधीन कैदी होंगे रिहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक तिहाई जेल की सजा काट चुके अंडरट्रायल्स की रिहाई की अनुमति दी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-479 में इसका प्रावधान है। इसके अनुसार, अगर अंडरट्रायल अधिकतम सजा का एक तिहाई समय काट चुका है, तो उसे जमानत दे दी जाएगी। बीएनएसएस 1 जुलाई से अमल में आया है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि ये प्रावधान 1 जुलाई से पहले के मामलों में भी लागू होगा। इसके बदले पहले सीआरपीसी में प्रावधान था कि अधिकतम सजा की आधी जेल अवधि काटने के बाद ही जमानत मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे मंजूर करते हुए देशभर के जेल सुपरिंटेंडेंट्स को इसे अमल में लाने का निर्देश दिया है।

तीन महीने में पूरा किया जाए काम कोर्ट ने कहा कि एक तिहाई अवधि पूरी होने पर संबंधित अदालतों के माध्यम से

अंडरट्रायल कैदियों के आवेदनों पर कार्रवाई की जाए। निर्देश दिया कि अधिकतम तीन महीने में इस काम को पूरा किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हीमा कोहली की अगुवाई वाली बेंच ने यह अहम फैसला सुनाया।

जेल में भीड़ को कम किया जा सकेगा इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के सामने सीनियर एडवोकेट गौरव अग्रवाल पेश हुए थे। उन्होंने कहा था कि बीएनएसएस के प्रावधान को एक जुलाई से पहले के मामलों में भी लागू किया जाए। उन्होंने तर्क दिया कि इससे जेल में भीड़ को कम किया जा सकेगा। तब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एश्वर्या भाटी से पूछा कि क्या यह प्रावधान 1 जुलाई से पहले के मामलों में लागू हो सकता है? इस पर केंद्र सरकार की वकील ने कहा था कि वह कोर्ट को इस बारे में बताएंगी। 1 जुलाई से तीन क्रिमिनल लॉ बदले गए हैं। आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किया गया है। ये नए कानून 1 जुलाई और उसके बाद दर्ज मामलों में लागू किए गए हैं। 1 जुलाई से पहले दर्ज मामलों में पहले के कानून यानी आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट लागू हैं।

CNews सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलों में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

चोरल रिवर रिसोर्ट में 5 लोगों की मौत के मामले में 4 पर केस

इंदौर। चोरल रिवर रिसोर्ट में 5 लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीडब्ल्यूडी ने पुलिस को जांच रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें इंजीनियरिंग पार्ट में लापरवाही की बात कही है। इसी वजह से हादसा हुआ और मजदूरों की जान चली गई। ग्राम चोरल स्थित निमार्णाधीन चोरल रिवर रिसोर्ट में कॉटेज की छत गिरने से 5 मजदूर दब गए। हादसे में उनकी मौत हो गई। सिमरोल थाना पुलिस ने जमीन मालिक, रिसोर्ट मलिक और मैनेजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जिसमें मैनेजर राहुल अहिरवार निवासी सीहोर, रिसोर्ट मलिक विकास पिता श्रीवास डबकरा निवासी साजन नगर, अनाया पति भारत डेम्बला निवासी द्वारकापुरी, विहाना पति जतिन डेम्बला निवासी द्वारकापुरी शामिल है। डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामले में जांच चल रही है। पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट में इंजीनियरिंग फाल्ट की बात सामने आई है। इंदौर के चोरल इलाके में गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात बड़ा हादसा हो गया। चोरल पिकनिक स्पॉट पर निमार्णाधीन रिसोर्ट की छत गिरने से पांच मजदूरों की हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। अधिकांश मजदूर राखी का त्योहार मना कर काम पर लौटे थे। इन सबका पूरा परिवार गांव में ही था। ये सभी अकसर दूर किसी भी साइट पर अकेले ही जाते थे। पांच मजदूरों में दो सगे भाई हैं। ये मजदूर कौन हैं, कहां के रहने वाले हैं ये पता लगाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दरअसल जब तक स्लैब नहीं हटाई गई तब तक इनकी पहचान नहीं हुई थी। फिर एक मजदूर की जेब में मिली फटी और गीली डायरी में लिखे एक नंबर पर पुलिस ने फोन किया। वह भी एक मजदूर था। उसके माध्यम से एक-एक कर सभी की पहचान उजागर हुई। मजदूर गोपाल प्रजापत (60) के अंबिकापुरी में रहने वाले परिजन घटना से अनजान थे। भाई परमानंद ने बताया कि गोपाल राखी का त्योहार मना कर फिर काम पर चले गए थे। उन्होंने बताया कि दोपहर 12.30 बजे मनोज नामक एक मजदूर ने फोन किया। बताया कि चोरल में स्लैब गिरने से गोपाल की मौत हो गई है तो मुझे विश्वास नहीं हुआ। मैंने पूछा तुम्हें कैसे मालूम? इस पर उसने कहा कि एक पुलिसकर्मी ने मुझे फोन कर बताया कि डायरी में आपका नंबर मिला है। बताए गए हुलिए के आधार पर गोपाल की पहचान हुई। गोपाल के परिवार में पत्नी दुर्गा और बेटा हेमंत हैं। उधर, हादसे के बाद सभी शवों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां भी पुलिसकर्मी एक-एक शव को पोस्टमॉर्टम रूम में पहुंचाने में लगे थे। इसके साथ ही गोपाल की डायरी में मिले नंबरों के आधार पर एक-एक नंबर फोन लगा रहे थे।

प्रशासन ने सवा सौ करोड़ की जमीन का लिया कब्जा

इंदौर। प्रशासन ने एबी रोड पर दो एकड जमीन का कब्जा लिया है। यह जमीन शहर के पॉश इलाके में है और इसकी कीमत सवा सौ करोड़ है। इस जमीन पर पार्क एवेन्यू नामक कॉलोनी काटी गई थी। फिलहाल अलग-अलग हिस्से किराए पर दिए गए थे। जमीन पर क्रिकेट टर्फ, रेस्त्रां और पार्किंग का उपयोग हो रहा है। कलेक्टर आशीष सिंह ने इसकी जांच कराई थी। जांच में पता चला कि पीर स्थान के लिए है और इसके व्यवस्थापक कलेक्टर है। इस जमीन पर 13 प्लॉट भी पूर्व में बिक चुके है और वे शहर के रसूखदारों ने खरीदे है। शनिवार सुबह एसडीएम घनश्याम धनगर के साथ मौके पर अमला पहुंचा और जमीन पर हुए अस्थाई अतिक्रमण को हटाकर कब्जा ले लिया। प्रशासन ने वहां पर कब्जा संबंधी बोर्ड भी लगा दिया। प्रशासन ने पिछले दिनों उन जमीनों की जांच शुरू की है। जिनके व्यवस्थापक कलेक्टर है और जमीन बेच दी गई। इसमें ज्यादातर जमीनें वक्फ बोर्ड की है। पिछले दिनों स्कीम-134 से भी 200 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन से प्रशासन ने कब्जा हटाकर उसका कब्जा लिया। जमीन पर बाउंड्रीवॉल बनाकर प्लॉट बेचने की तैयारी की जा रही थी। मौके पर एक अस्थाई दफ्तर भी संचालित हो रहा था। जिसे तोड़ दिया गया। आने वाले दिनों में अन्य जमीनों की जांच के बाद भी प्रशासन उनका कब्जा ले सकता है।

घर से स्कूल के लिए निकले दो बच्चे लापता, अपहरण का केस दर्ज

इंदौर। गांधीनगर इलाके की एक कॉलोनी के दो बच्चे शुक्रवार सुबह से लापता हैं। दोनों स्कूल जाने का कह कर निकले थे, फिर नहीं लौटे। पुलिस और परिजन दोनों बच्चों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार समर्थ सिटी में रहने वाले दो बच्चे नितिन चौकसे और राज सोनवने शुक्रवार सुबह 7 बजे घर से स्कूल जाने का कहकर निकले थे। दोनों बच्चे स्कूल भी नहीं गए, स्कूल से लौटने का समय निकलने के बाद भी जब घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। स्कूल पहुंच कर जानकारी ली तो पता लगा कि दोनों स्कूल ही नहीं आए थे। इसके बाद परिवार वाले घबरा गए। सोशल मीडिया पर दोनों बच्चों के फोटो के साथ उन्हें तलाशने की गुहार की जा रही है। इधर गांधीनगर पुलिस थाने में भी दोनों की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने अपहरण की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

अधिकारियों को लगाई फटकार, कहा- योजना बनाएं, अब कभी ऐसा दिन ने देखना पड़े

बारिश से इंदौर की दुर्दशा पर भड़के सीएम मोहन यादव

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में तीन इंच बारिश में ही शहर की सड़कें डूब गईं। लग रहा था शहर में ही नदी, तालाब बन गए हों। इस दृश्य को दुनियाभर में देखा गया। सोशल मीडिया पर जनता ने सरकार और प्रशासन की खूब खिंचाई की। इंदौर की इस दुर्दशा पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी भड़के, उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि तुरंत व्यवस्था करें, योजना बनाएं। इंदौर को अब कभी यह दिन न देखना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार शाम इंदौर पहुंचे। एयरपोर्ट पहुंचते ही उन्होंने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से इंदौर में शुक्रवार को हुई तेज बारिश के बाद की स्थिति पूछी। पूछा कि अब कहां-कहां पर पानी भरा है। कलेक्टर आशीष सिंह ने उन्हें बताया कि अचानक हुई तेज बारिश हो गई थी। इसके बाद कई स्थानों पर जल निकासी बाधित हो गई और यह हालात बन गए। शहर के प्रमुख चौराहों पर भी यातायात जाम हो गया। कलेक्टर ने कहा कि हमने तुरंत एक्शन लिया और टीमों को मैदान में उतारा। नगर निगम, पुलिस और जिला प्रशासन की टीमों के साथ शहर की कई संस्थाओं ने तुरंत मदद की। जल निकासी के तुरंत प्रबंध किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति निर्मित नहीं हो इसके लिए नगर निगम इंदौर और इंदौर विकास प्राधिकरण उचित एवं स्थायी प्रबंध। इस दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी सहित सभी विधायकगण, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, आयुक्त नगर निगम शिवम वर्मा भी उपस्थित थे।

इंदौर इस तरह बनेगा मेट्रोपॉलिटन सिटी

मुख्यमंत्री काबुली चना व्यापारियों के वार्षिक सम्मेलन में पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि आने वाले समय में वाणिज्यिक और व्यापारिक दृष्टि से मध्यप्रदेश का भविष्य उज्जवल है। उन्होंने कहा कि इंदौर, उज्जैन, देवास और धार जिले के कुछ हिस्सों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन सिटी का स्वरूप दिया जाएगा। सीएम ने आगे कहा कि इंदौर और उज्जैन अलग नहीं है एक ही है। एयर डिस्टेंस देखें तो इंदौर और उज्जैन के बीच 32 किमी की दूरी ही है। आने वाले समय में वाणिज्यिक और व्यापारिक दृष्टि से मध्यप्रदेश का भविष्य उज्जवल है। उन्होंने कहा कि इंदौर,उज्जैन, देवास और धार जिले के कुछ हिस्सों को मिलाकर मेट्रोपोलिटन सिटी का स्वरूप दिया जाएगा।

काबुल भी कभी हमारा था और फिर से हमारा होगा

सीएम ने काबुली चना व्यापारीयों के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सभी व्यापारियों से मध्यप्रदेश में आकर व्यापार करने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने काबुली चना ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रथम सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नाम भले ही काबुली हो लेकिन वह चना तो हमारे इंदौर का है। उन्होंने कहा कि काबुल भी कभी हमारा था और फिर से हमारा होगा।

सीमेंट के डिवाइडरों ने इंदौर की सड़कों को बनाया तालाब

इंदौर। शहर में एक साथ हुई तीन इंच बारिश के बाद शहर की कई सड़कें तालाब बन गई। पश्चिम हिस्से से ज्यादा परेशान रहा पूर्वी हिस्सा। इसकी वजह बगैर प्लानिंग के किया गया निर्माण। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर विज्ञापन एजेंसियों को डिवाइडर ठेके पर देने के लालच में सीमेंट का निर्माण कर दिया गया, लेकिन बारिश के हिसाब से उनकी डिजाइन नहीं की। इस कारण मार्गों पर सबसे ज्यादा जलजमाव हुआ। विजय नगर से बापट चौराहे तक मेट्रो ट्रेक के नीचे नगर निगम डिवाइडर बना रहा है, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों में पिलरों के नीचे इस तरह का निर्माण देखने को नहीं मिलाता, लेकिन इंदौर में यह कमाल अफसरों ने दिखाया। स्कीम-136 का रोबोट चौराहा, विजय नगर चौराहे में इस कारण जलजमाव हुआ,क्योकि यहां पानी के प्राकृतिक बहाव को डिवाइडरों रोक दिया। पहले विजय नगर चौराहे का पानी सर्विस रोड से बहकर रिलायंस ग्राउंड तक जाता था, लेकिन इस बार पानी का रास्ता डिवाइडरों ने रोक दिया।

एक साथ बन रहे हैं दस से ज्यादा ब्रिज

इंदौर में एक साथ दस से ज्यादा ब्रिज बन रहे है। उन जगहों पर शेड लगा कर पानी रोका गया। खजराना, सत्यसांई सर्कल का जल जमाव इसका उदाहरण है। बची खुची कसर मेट्रो के पिलरों के आसपास बन रहे डिवाइडर पूरी कर रहे हैं। विजय नगर थाना इसलिए डूबा कि किसी ने ब्रिज बनाने वाले विभागों से तालमेल नहीं बैठाया। सड़कों पर मोटे मोटे डिवाइडर बना दिए, जो पानी रोक रहे हैं। नालों की इस बार सफाई ठीक से नहीं हो पाई। कान्ह नदी ब्रिज से पांच फुट नीचे बह रही थी, लेकिन रामबाग ब्रिज पर डेढ़ फुट पानी भरा था,क्योकि ब्रिज की जल निकासी की तरफ ध्यान नहीं दिया।

इन वजहों से हुआ जलजमाव

- शहर के 40 प्रतिशत मार्गों पर स्टार्म वाटर लाइन नहीं है।
-दस से ज्यादा चौराहों पर ब्रिजों का निर्माण हो रहा है। वहां सबसे ज्यादा जलजमाव शनिवार को देखने को मिला,क्योकि निर्माण सामग्री के कारण पानी जमा रहा।
- पक्के डिवाइडरों से जल निकासी की व्यवस्था नहीं। चार माह पहले भमोरी पर डिवाइडर तोड़ना पड़ा था।
- नाला टेपिंग के पाइपों में घुसा बारिश का पानी, वह चैंबरों से निकल कर सड़कों पर आ गया।
-फुटपाथों को भी पक्का कर दिया गया। बारिश का पानी सड़कों पर ही बहता रहता है।

निगम कंट्रोल रूम पर 27 शिकायतें

इनमें विजय नगर, पलासिया, बंगाली चौराहा, खजराना, नेहरू नगर, मालवा मिल, हुकुमचंद घंटाघर, धार रोड, बीआरटीएस विजय नगर के हालात सबसे खराब थे। निगम कंट्रोल रूम के मुताबिक 27 स्थानों पर पानी भरने की सूचना थी। इनमें से अधिकांश में निकासी कर दी गई है।

आज फिर तेज बारिश की चेतावनी

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। वहीं, साइक्लोनिक सकुर्लेशन और मानसून ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। अरब सागर से एक्टिव लो प्रेशर एरिया का असर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में ज्यादा रहेगा। इस कारण इंदौर और अन्य हिस्सों में ज्यादा असर रहेगा। 25-27 अगस्त तक स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी रहेगी।

निर्माण एजेंसियों को दिए हैं निर्देश

शहर के 25 से ज्यादा स्थानों पर नगर निगम ने काम किया। वहां पहले की तुलना में जल्दी पानी निकला। शहर में जो एजेसिंया निर्माण कर रही हैं। उन्हें भी जलजमाव दूर करने के निर्देश दिए हैं।
- पुष्य मित्र भार्गव, मेयर

नृत्य गोपालदास जी महाराज का हुआ नागरिक अभिनंदन

सीएम बोले- महाराज ने सत्ता के बजाए आस्था में विश्वास जताया

सिटी चीफ इंदौर।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या के प्रमुख नृत्य गोपालदास जी महाराज का शनिवार को इंदौर के संगठनों ने नागरिक अभिनंदन किया। समारोह को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि हमने अपनी आंखों से देवी-देवता नहीं देखे, लेकिन महाराज को देखकर लगता है कि देवता हमारे सामने प्रकट हो गए। उन्होंने कहा कि सरकारें आती जाती हैं, लेकिन नृत्यगोपाल दास महाराज ने सत्ता के बजाए आस्था में विश्वास जताया। वे डंके की चोट पर कहते थे कि अयोध्या में मंदिर बनेगा। उनका सपना साकार हुआ, उनकी मौजूदगी में मथुरा में भी कृष्ण मुस्कुराएंगे। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश उन सभी स्थानों की तीर्थ के रूप में विकसित करेगी, जहां श्रीकृष्ण के कदम पड़े। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि महाराज आश्रम में रहते हैं। वे बरसों बाद अयोध्या से निकले हैं और इंदौर को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि एयरपार्ट पर महाराज जी की हालत देखकर मैं डर गया। क्योंकि उनका स्वास्थ्य खराब है। मैं अपराध बोध से ग्रस्त हूं और गदगद भी, क्योंकि वे इंदौर आए। विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर से हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं, जिसका नाम है घर-घर राम, हर घर रामायण। यह आंदोलन पूरे देश में चलेगा। समारोह में उज्जैन के भस्म रमैया भक्त मंडल ने डमरू बजाकर जयघोष किया। समारोह में महेंद्र दास महाराज ने इस मौके पर कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बन गया, लेकिन अब मथुरा में कृष्ण मंदिर भी बनना चाहिए। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नृत्य गोपालदास की तपस्या के प्रताप के कारण अयोध्या में राम मंदिर बन सका। समारोह में 100 से ज्यादा संगठनों ने महाराज का नागरिक अभिनंदन किया।

नायता मुंडला में बस स्टैंड तैयार, इंटरस्टेट बसों का होगा संचालन

बस स्टेशन बनकर तैयार, स्टेशन तक बसों के पहुंचने की राह आसान

सिटी चीफ इंदौर।

25 करोड़ की लागत से इंदौर विकास प्राधिकरण ने नायता मुंडला में बस स्टैंड तैयार किया है,लेकिन बस ऑपरेटर वहां से बसों का संचालन करने के लिए तैयार नहीं है,क्योकि स्टेशन तक पहुंचने वाले मार्ग की बस्ती के कारण बसों को स्टेशन तक जाने में परेशानी होती है। नगर निगम ने शुक्रवार को बरसते पानी में सत्रह अवैध निमार्णों को हटाया। अफसरों ने पहले नोटिस दिए थे, लेकिन तय समय तक कब्जेधारी नहीं हटे। शुक्रवार सुबह नगर निगम के 100 से ज्यादा श्रमिक तीन जेसीबी लेकर नायता मुंडला की बस्ती में पहुंचे और निमार्णों को तोड़ना शुरू किया। रहवासियों ने पहले विरोध किया, लेकिन अफसरों की सख्ती के कारण मुहिम नहीं रुक सकी और दो घंटे में निर्माण जमीदोंज हो गए। प्रशासन नायता मुंडला स्टेशन से इंटरस्टेट बसों का संचालन करेगा। हाल ही में प्रशासन ने पांच टेवर्ल्स एजेंसियों के दफ्तर सील कर चेतावनी दी थी कि बसों का संचालन शहर से बाहर किया जाए। इस स्टेशन से अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट की बसों का संचालन होगा। अगले साल एमआर-10 स्टेशन भी शुरू होगा। यात्री बसों को शहर से बाहर करने के पीछे प्रशासन की मंशा व्यस्त मार्गों से ट्रैफिक का दबाव कम करना है। शाम के समय बसें अलग-अलग पिकअप स्पॉट पर रुकती है और यात्रियों को बैठाती है।

शिक्षा अधिकारी के पद पर पूजा सक्सेना की नियुक्ति पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

इंदौर। जिला शिक्षा अधिकारी के प्रभार को लेकर मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामले में कोर्ट से सुषमा वैश्य को राहत मिली है। जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर बाल विनय स्कूल की प्राचार्य पूजा सक्सेना की नियुक्ति पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने यह आदेश सहायक संचालक सुषमा वैश्य की ओर से लगाई गई याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। शासन ने 16 अगस्त को एक आदेश जारी कर पूजा सक्सेना को जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार दे दिया था। वैश्य ने आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें उन्होंने कहा की पूजा सक्सेना प्राचार्य स्तर की शिक्षा अधिकारी हैं जबकि वे वर्तमान में सहायक संचालक के पद पर इंदौर में ही पदस्थ है। नियमों के अनुसार एक सीनियर अधिकारी जूनियर अधिकारी के अधीनस्थ कार्य नहीं कर सकता है। मामले में न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला ने 16 अगस्त के शासन द्वारा जारी आदेश पर रोक लगाते हुए प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा, आयुक्त लोक शिक्षण, पूजा सक्सेना को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा है।

पलवल-न्यू परीठला के बीच रेलवे ने लिया मेगा ब्लॉक

7 से 16 सितंबर तक नहीं चलेगी इंदौर-नई दिल्ली ट्रेन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर से नई दिल्ली के लिए सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन संख्या (20958) सात से 16 सितंबर तक बंद कर दी गई है। रेलवे ने इसकी बुकिंग भी इस अवधि के लिए बंद कर दी है। पलवल-न्यू परीठला के बीच रेलवे ने मेगा ब्लॉक लिया है। इसके चलते इंदौर-नई दिल्ली सुपर फास्ट का संचालन बंद किया गया है। वहीं, उत्तर रेलवे ने इंदौर-नई दिल्ली-इंदौर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस का रूट भी सितंबर महीने में कुछ दिनों के लिए बदला है। पहले इंटरसिटी एक्सप्रेस तय रूट के बजाय सवाईमाधोपुर, जयपुर होते हुए इंदौर-नई दिल्ली का सफर तय करने वाली थी। मगर अब यह दूसरे रूट से संचालित होगी। इंदौर से नई दिल्ली जाने वाली इंटरसिटी पांच से 16 सितंबर और नई दिल्ली से इंदौर आने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस छह से 17 सितंबर तक आगरा फोर्ट, मीतावली साउथ कैबिन और गाजियाबाद होकर चलाई जाएगी। इंदौर दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्री सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन को ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन उन्हें अब कुछ दिनों का इंतजार करना पड़ सकता है। रेलवे ने इस रूट पर चलने वाली अन्य कुछ ट्रेनों में भी बदलाव किया है। सितंबर में भोपाल एक्सप्रेस 10 दिन के लिए कैंसिल सितंबर महीने में वंदे भारत और भोपाल एक्सप्रेस से दिल्ली या ग्वालियर, झांसी आगरा सफर करने जा रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है, क्योंकि पलवल रेलवे स्टेशन पर मेंटेनेंस कार्य किए जाने हैं। इसके चलते भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली वंदे भारत के अलावा भोपाल एक्सप्रेस अप और डाउन को निरस्त किया गया है। बता दें कि दोंनो ट्रेनों से भोपाल रेल मंडल के चार हजार से अधिक यात्री रोजाना यात्रा करते हैं। इनमें भोपाल एक्सप्रेस 6 सितंबर से 15 सितंबर तक 10 दिन के लिए कैंसिल की गई है।

ये ट्रेनें कैंसिल की गईं

12155 रानी कमलापति - निजामुद्दीन एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन से 6, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 सितंबर को निरस्त रहेगी।
12156 (निजामुद्दीन - रानी कमलापति एक्सप्रेस) अपने प्रारंभिक स्टेशन से 6, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 सितंबर को निरस्त रहेगी।
20171 रानी कमलापति - निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन से 17 सितंबर को निरस्त रहेगी।
20172 निजामुद्दीन - रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन से 17 सितंबर को निरस्त रहेगी।

यह ट्रेन आगरा पर होगी खत्म

12192 जबलपुर - निजामुद्दीन श्रीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 5 से 16 सितंबर तक आगरा कैंट स्टेशन तक ही जाएगी।
12191 निजामुद्दीन- जबलपुर श्रीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस 6 से 17 सितंबर तक आगरा कैंट स्टेशन से प्रारंभ होगी।

इस ट्रेन का रूट किया परिवर्तित

12191 निजामुद्दीन - जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 29, 30, 31 अक्टूबर, 01, 02, 03, 04, 05 को परिवर्तित मार्ग वाया गाजियाबाद-मथुरा-आगरा कैंट होकर जाएगी। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि यात्री असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके यात्रा करें।

मध्य प्रदेश में संगठन ने लिया है 1.5 करोड़ नए सदस्य बनाने का संकल्प

31 को हर बूथ पर संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित करेगी भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा संगठन ने 1.5 करोड़ नए सदस्य बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में प्रदेश भाजपा 31 अगस्त को प्रत्येक बूथ पर संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित करेगी। 25, 26 और 27 अगस्त को मंडल स्तर की तथा 28 और 29 अगस्त को शक्ति केंद्र स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

इसके बाद 31 अगस्त को प्रदेश के सभी 64,523 बूथों पर ऐसी ही कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके माध्यम से पार्टी का सदस्यता अभियान में एक नया रिकॉर्ड बनाने पर फोकस है। इसके लिए जिलेवार प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी जिलों में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे हैं और नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। आगामी चुनावों के मद्देनजर पार्टी राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान चलाएगी। इसके लिए नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है और इसे देशभर में अभियान के रूप में चलाया जा रहा है।

दरअसल, भाजपा एक सितंबर से देशभर में सदस्यता अभियान चलाने जा रही है। इसी दिशा में संगठन पर्व कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। सदस्यता अभियान चार चरणों में चलाया जाएगा।

घर-घर जाकर भाजपा से जोड़ेंगे

पार्टी की योजना है कि अभियान का पहला चरण एक सितंबर से 25 सितंबर चलाया जाए। वहीं, दूसरा चरण एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक, तीसरा चरण के लिए 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इसमें कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे। इसी तरह एक नवंबर से 10 नवंबर तक अभियान का चौथा चरण चलाया जाएगा।

बुधनी विधानसभा को लेकर कांग्रेस की विशेष रणनीति

29 मंडलम में कांग्रेस नेता एक साथ करेंगे बैठक और टिफिन पार्टी

सिटी चीफ भोपाल।

विधानसभा क्षेत्र बुधनी में उप चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी ताकत झोंक रही है। उपचुनाव की तारीख की घोषणा अभी तक नहीं हुई है लेकिन कांग्रेस तैयारी में जुटी हुई है। वहीं बीजेपी इस सीट में जीत मानकर चल रही है। बुधनी उपचुनाव को लेकर कांग्रेस का मेगा प्लान तैयार किया है। इधर भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस के पास ना तो नेता है और ना नियत इसलिए भोपाल से किराए के कार्यकर्ता ले जाकर भीड़ जुटाने का काम बुधनी विधानसभा में कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गढ़ बुधनी को जीतने के लिए कांग्रेस ने विशेष रणनीति बनाई है। कांग्रेस पार्टी इसे लेकर रविवार को 29 मंडलम में कांग्रेस नेता एक साथ बैठक करेंगे। 29 मंडलम में 29 कांग्रेस नेता कार्यकताओं के साथ टिफिन पार्टी करेंगे।

अमरवाड़ा उपचुनाव हारने के बाद कांग्रेस का बुधनी पर विशेष फोकस है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कांग्रेस के तमाम नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे। 29 विधायक और पूर्व मंत्री भी बुधनी जाएंगे। अलग-अलग नेताओं को अलग-अलग मंडलम की जिम्मेदारी दी गई। माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए बुधनी चुनाव जीतने की कांग्रेस कोशिश कर रही है। कार्यकर्ता और जनता के बीच जाकर टिफिन पार्टी करेंगे।

कांग्रेस के टिफिन पार्टी को लेकर बीजेपी हमलावर हो गई है बीजेपी के प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन और पार्टी पूरी तरह खत्म हो गई है। प्रदेश कांग्रेस के पास नेता कार्यकर्तृता नहीं है। भोपाल से किराए के कार्यकर्ता ले जाकर टिफिन पार्टी का इवेंट करते हैं। केंद्रीय नेतृत्व से अपनी सीट बचाने के लिए जीतू पटवारी नाटक नौटंकी करते हैं। अगर वह बुधनी सीट को लेकर इतना सजग है तो खुद चुनाव लड़कर देख ले पता चल जाएगा।

90 घंटे के होंगे दोनों पाठ्यक्रम, प्रवेश के लिए मापदंड तय करेगा विभाग

पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस सहित 13 निजी कॉलेजों में शुरू होंगे एआई पाठ्यक्रम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। इस सत्र से प्रदेश के 68 सरकारी व निजी कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) पाठ्यक्रम शुरू होंगे। विद्यार्थियों को यह पाठ्यक्रम निश्शुल्क पढ़ने को मिलेगा। यह पाठ्यक्रम आइआइटी दिल्ली के सहयोग से प्रदेश के कॉलेजों में संचालित होंगे।

इसमें प्रदेश के 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस और 13 शासकीय स्वशासी महाविद्यालय शामिल हैं, जिसमें दो एआई सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।जारी आदेश के अनुसार इन कॉलेजों में दो सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व फिनटेक विथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पाठ्यक्रम के संचालन करने की स्वीकृति मिली है।दोनों सर्टिफिकेट कोर्स के लिए महाविद्यालय में आठ-आठ सीटें रहेंगी। इन पाठ्यक्रम के लिए चयनित विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इन आर्टिफिशियल इंटेलीजेस और फिनटेक विथ आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए संबंधित कॉलेजों में जल्द व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले सकें।

चयन परीक्षा के आधार पर मिलेगा प्रवेश

इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। दोनों पाठ्यक्रम 90 घंटे का होगा।इन पाठ्यक्रम के लिए जो विद्यार्थी चयनित होंगे।उन्हें एक हजार रुपये काशनमनी के रूप में जमा करनी होगी। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम समाप्त होने के बाद यह राशि वापस लौटा दी जाएगी।

इनका कहना है

-इन दोनों पाठ्यक्रमों को तैयार करने में आइआइटी दिल्ली का सहयोग रहेगा। कोई भी विद्यार्थी दोनों में से एक पाठ्यक्रम में ही प्रवेश ले सकेगा। यह दोनों पाठ्यक्रम एक-दो महीने में शुरू किए जाने की संभावना है।

धीरेंद्र शुक्ला, विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी,उच्च शिक्षा विभाग

आयुष विभाग में 27 से सिद्ध चिकित्सा सेवाओं की होगी शुरुआत

एम्स में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा का संगम

सिटी चीफ भोपाल।

एम्स भोपाल के आयुष विभाग में 27 अगस्त से सिद्ध चिकित्सा सेवाओं की शुरूआत हो रही है, जिससे भारत की सबसे पुरानी और व्यापक चिकित्सा प्रणालियों में से एक को आधुनिक स्वास्थ्य सेवा के केंद्र में लाया जा रहा है।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने इस पहल पर कहा कि एम्स भोपाल में सिद्ध सेवाओं की शुरूआत हमारे समग्र स्वास्थ्य सेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। सिद्ध जैसी प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ एकीकृत करके, हमारा उद्देश्य रोगियों को व्यापक उपचार प्रदान करना है, जो न केवल उनकी स्वास्थ्य चिंताओं का समाधान करेगा, बल्कि उनके समग्र स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देगा। इस पहल से जहां एक ओर भारत की समृद्ध चिकित्सा धरोहर को संरक्षित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रदेश के लोगों को विविध और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

6,000 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत

डॉ अजय सिंह ने बताया कि सिद्ध चिकित्सा प्रणाली, जो द्रविड़ संस्कृति में गहराई से निहित है, 6,000 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत रखती है और स्वास्थ्य के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है, जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, पुनर्वास और कायाकल्प करने वाले पहलू शामिल हैं। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली अपनी प्रभावशीलता के लिए प्रसिद्ध है, जो तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार, त्वचा रोग, श्वसन संबंधी समस्याएं और मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी रोगों के उपचार में प्रभावी है। इसके अतिरिक्त, यह शिशु रोग, स्त्री रोग और मनोरोग के लिए विशिष्ट उपचार भी प्रदान करती है, जो प्राकृतिक और समय-परीक्षित उपचारों के साथ स्वास्थ्य के विविध मुद्दों का समाधान करती है।

डॉ अजय सिंह ने बताया कि सिद्ध सेवाओं की शुरूआत के साथ, एम्स भोपाल का उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों को एकीकृत करके रोगियों को एक समग्र उपचार अनुभव प्रदान करना है। सिद्ध सुविधा एम्स भोपाल के आयुष भवन में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगी, जिससे सभी रोगियों के लिए यह सेवाएं सुलभ और सुविधाजनक होंगी। यह पहल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के साथ-साथ समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मप्र के सहकारी दुग्ध ब्रांड के कायाकल्प के लिए 15 दिन में पेश कर सकता है बिजनेस प्लान

सांची को टेकओवर करने की तैयारी में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) द्वारा संचालित प्रदेश के दुग्ध ब्रांड सांची को अब नेशनल डेयरी डेवलमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) टेकओवर करने की तैयारी में है।

एनडीडीबी ने पिछले करीब एक माह में प्रदेश के सभी छह सांची दुग्ध संघों में निरीक्षण किया है, जिसके बाद संघों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को दूर करने तथा उन्हें कर्ज से उबारने का एक बिजनेस प्लान तैयार किया जा रहा है।

इस प्लान को अगस्त के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्लान पर सरकार की मुहर लगने के बाद संभवत: 15 सितंबर तक एनडीडीबी को सांची ब्रांड के संचालन के सभी अधिकार सौंपे जा सकते हैं। इससे पहले सांची के विस्तार और बेहतर संचालन के लिए पिछले महीने एमपीसीडीएफ, एनडीडीबी और प्रदेश सरकार के बीच करार हुआ था। इस करार के बाद से ही बोर्ड के अधिकारियों ने संघों में कार्य करना शुरू कर दिया है।

वे कार्यप्रणाली को समझकर नए सिर से सांची को खड़ा करने पर काम कर रहे हैं।

कई राज्यों के डेयरी संघों को संकट से उबार चुका है एनडीडीबी

एनडीडीबी डूबते हुए डेयरी व दुग्ध संघों को वापस मजबूती से खड़ा करने की महारत रखता है। इससे पहले देश के अनेक राज्यों के सहकारी दुग्ध संघों को घाटे से उबार चुका है। इनमें से कई संघों का वह संचालन कर रहा है, जबकि कई संघों के संचालन के अधिकार वापस संबंधित संघ को दिए हैं। राज्य सरकार इसमें अंतिम फैसला करती है। एनडीडीबी ने 1992 से 2000 तक राजस्थान डेयरी संघ, 1995 से 2005 तक जलगांव दुग्ध संघ, 2014 से झारखंड, असम, वाराणसी मिल्क यूनियन और विदर्भ समेत एक दर्जन से अधिक दुग्ध व डेयरी संघों को घाटे से मुनाफे में पहुंचाया है। वजह है एनडीडीबी के एक्सपर्ट, जो समितियों के प्रशिक्षण से लेकर मार्केटिंग और उत्पाद की गुणवत्ता पर कार्य करते हैं।

एनडीडीबी के साथ हुआ है सात बिंदुओं पर करार

सांची एक सहकारी समिति है, जिस पर प्रदेश के पशुपालकों और किसानों का मालिकाना हक है। सरकार का लक्ष्य है कि उन्हें बेहतर बिजनेस प्लान के साथ मुनाफा पहुंचाया जाए। इसको लेकर पिछले दिनों एनडीडीबी के साथ सात बिंदुओं पर करार हुआ है। एनडीडीबी ने सभी संघों का निरीक्षण किया है और बिजनेस प्लान तैयार कर रहा है। इसे इस माह के अंत या अगले महीने की शुरूआत में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद सरकार टेकओवर पर निर्णय लेगी।

- सतीश कुमार एस, प्रबंध निदेशक, एमपीसीडीएफ

मौसेरे भाई के दोस्त ने कॉलेज छात्रा से किया दुष्कर्म

भोपाल। भोपाल के निशातपुरा इलाके में मौसेरे भाई का दोस्त एक छात्रा के साथ करीब एक साल से उसकी अस्मत लूट रहा था। वह भाई को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ शोषण कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 23 वर्षीय युवती पंचवटी कॉलोनी में रहती है और कॉलेज की छात्रा है। आरोपी युवक अंकित दांगी उसके गांव का रहने वाला है और मौसेरे भाई का दोस्त है। इसलिए उन दोनों की पहचान थी और दोनों एक दूसरे से फोन पर बातचीत किया करते थे। यह बात जब छात्रा के पिता को पता चली तो आरोपी युवक के घर गए और पूरी बात उनके परिजनों को बता दी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत बंद हो गई। बाद में दोनों एक बार फिर बातचीत करने लगे। 21 अगस्त 2023 को आरोपी युवक पीड़िता के घर पहुंचा और हंगामा करने लगे और जबरदस्ती उसके घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद से वह लगातार पीड़िता का शोषण कर रहा था। उसकी करतूतों से परेशान होकर पीड़िता ने थाने में शिकायत कर दी।

छतरपुर की घटना के विरोध में डीजीपी कार्यालय पहुंच नेताओं ने सौंपा ज्ञापन

बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट और मानव अधिकार आयोग जाएगी कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

छतरपुर में हाजी शहजाद के घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई के खिलाफ शनिवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भोपाल में डीजीपी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मध्य प्रदेश में हुई ऐसी तमाम घटनाओं के खिलाफ वो सुप्रीम कोर्ट और मानवाधिकार आयोग जाएंगे। इस घटना को लेकर देशभर से कांग्रेस नेताओं का विरोध जारी है। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगर कोई कानून का कोई उल्लंघन करेगा, तो कानून अपना रास्ता बनाएगा। इस दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, मुकेश नायक, विधायक आतिफ अकील सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

स्थापित न्याय प्रक्रिया के खिलाफ हो रही कार्रवाई बुलडोजर चलाने की घटना पर जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन की कोई भी व्यवस्था सर्विस बुक का पालन करना भूल गई है। वो बीजेपी को सहयोग कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में न्यायिक शक्तियों का जितना दुर्व्यवहार हो रहा है, उतना कहीं नहीं हो रहा। संविधान की स्थापित न्याय प्रक्रिया है जिसे नजरअंदाज कर मध्य प्रदेश में बुलडोजर प्रवृति लाई गई है जो ये मैसेज देती है कि अदालत, कानून संविधान की परंपराओं को हम नहीं मानते हैं। कोई भी अपराधी अपराध करता है तो कानून नियमसम्मत कार्रवाई करता है और करना भी चाहिए। लेकिन दहशत बनाकर, डराकर बीजेपी के स्वार्थ को सिद्ध करना और ये भावना व्यक्त करना कि हम जो चाहे करेंगे ये स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। छतरपर की घटना राजनैतिक या सामाजिक घटना नहीं है, ये संवैधानिक घटना है। वो चाहे ग्वालियर की बात हो या भिंड मुरैना की अलग अलग स्थानों पर मकान गिराने की प्रवृत्ति मानव अधिकार के उल्लंघन का मामला है। कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि मध्य प्रदेश में जितनी भी ऐसी घटनाएं हुई है उसके खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट और मानवाधिकार आयोग जाएंगे। शांति के नाम पर दहशत फैलाई जा रही है और ये सही नहीं है।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के खिलाफ जानबूझकर ऐसी कार्रवाई

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश में छतरपुर से पहले भी ऐसी बुलडोजर कार्रवाई हुई है। सरकार कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के खिलाफ जानबूझकर ऐसी कार्रवाई कर रही है। अगर कोई आरोपी है तो उसे पकड़ो। लेकिन पुलिस क्यों राजनीतिक सहयोग कर रही है। पुलिस को निष्पक्ष कार्य करना चाहिए। सरकार असंवैधानिक रूप से कार्रवाई कर रही है और हम इसके खिलाफ कोर्ट और मानवाधिकार आयोग जाएंगे। वहीं विधायक आतिफ अकील ने सवाल किया कि देश संविधान से चलता है। अगर कोई बेकसूर है और उसका मकान तोड़ दिया जाए तो वो कहां तक सही है।

प्रियंका गांधी ने सवाल उठाए

छतरपुर बुलडोजर एक्शन पर प्रियंका गांधी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध और सजा सिर्फ अदालत तय कर सकती है। आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहाना न्याय नहीं। ये बर्बरता और अन्याय की पराकाष्ठा है। प्रियंका ने कहा कि सरकार अपराधी की तरह व्यवहार नहीं कर सकती। उन्होंने मांग की है कि बुलडोजर न्याय पूरी तरह बंद होना चाहिए।

राज्यसभा सांसद ने मुख्यमंत्री से किए सवाल

इधर राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने छतरपुर घटना को लेकर एक्स पर लिखा है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी छतरपुर के मामले में कह रहे हैं कि कानून का कोई उल्लंघन करेगा तो कानून अपना रास्ता बनायेगा। मेरा मुख्यमंत्री जी से सवाल है कि चिन्हित करके छतरपुर में सिर्फ आरोप लगाकर मुसलमानों का घर और गाड़ियां तोड़ना क्या ये कानून सम्मत है ? जिनके खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली बिना किसी जाँच पड़ताल के उन्हें बाजार में परेड़ कराई जा रही है और ह्यपुलिस हमारी बाप हैह्व जैसे नारे लगवा रही है क्या ये कानून सम्मत है ? कलेक्टर ने जिस घर को मौखिक तौर पर अवैध बता दिया क्या आनन फानन में उसे बुलडोज कर देना ये कानून सम्मत है ? हाजी शहजाद ने मीडिया को बयान जारी करके ये कहा है कि ज्ञापन देने के मामले में वो खुद उच्च अधिकारियों के सम्पर्क में थे, उनके खिलाफ साजिश की गई, ऐसे में अपने राज्य के एक नागरिक की बात न सुनना और उसे अपराधी घोषित करके उसका घर, गाड़िया सब तोड़ देना क्या ये कानून सम्मत है ? तमाम सवालों के साथ साथ क्या एक मुख्यमंत्री द्वारा एकपक्षीय भाषा बोलना कानून सम्मत है ?

सम्पादकीय

लड़कियां फिर आगे, शिक्षा मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट

शिक्षा मंत्रालय की ओर से किया गया 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का विश्लेषण कई गंभीर मसलों की ओर ध्यान खींचता है, लेकिन इसका सबसे अहम पहलू है स्कूलों में लड़कियों की ओर से लिखी जा रही कामयाबी की सुनहरी कथाएं। यह लगातार दूसरा साल है जब शिक्षा मंत्रालय ने देश के 59 स्कूल बोर्डों के रिजल्ट्स का विश्लेषण करते हुए अपनी रिपोर्ट पेश की है। समाज में और परिवार के अंदर लड़कियों को जिस पूर्वाग्रह भरी दृष्टि का सामना करना पड़ता है उसका एक ज्वलंत उदाहरण रिपोर्ट में इस तथ्य के रूप में उभरता है कि देश भर में प्राइवेट स्कूलों में लड़कों और सरकारी स्कूलों में लड़कियों की संख्या ज्यादा है। साफ है कि मां-बाप चाहते हैं बेटे ज्यादा अच्छी और महंगी शिक्षा पाएं। बेटियों को जैसे-तैसे पढ़ा देना काफी माना जाता है। दिलचस्प है कि यह पूर्वाग्रह लड़कियों के जज्बे को कमजोर करने के बजाय उसे और मजबूती दे रहा है। रिजल्ट्स का विश्लेषण बताता है कि बोर्डों, स्कूलों और विषयों के भेदों से ऊपर उठते हुए लड़कियां, लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। 10वीं और 12वीं दोनों में, चाहे स्टेट बोर्ड हों या नैशनल और चाहे प्राइवेट स्कूल हों या सरकारी, लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज लड़कों से काफी ज्यादा है। जहां तक स्ट्रीम सिलेक्शन की बात है तो साइंस आज भी सबसे लोकप्रिय है। करीब 43त्न स्टूडेंट्स साइंस स्ट्रीम में अपीयर हुए और 34त्न आर्ट्स स्ट्रीम में थे। खास बात यह कि साइंस में लड़कों की बहुलता थी जबकि आर्ट्स में लड़कियों की। लेकिन पासिंग पर्सेंटेज देखें तो लड़कियां न सिर्फ आर्ट्स में बल्कि साइंस में भी लड़कों से आगे नजर आती हैं। स्कूल स्तर पर यह जो ट्रेंड इस रिपोर्ट में दिख रहा है, वह अन्य तमाम क्षेत्रों में उभरते नए ट्रेंड से मेल खा रहा है। चाहे कॉलेजों की परीक्षाओं की बात हो या ह्रश्वश्वज्ञ और छ्रश्वश्व जैसी प्रफेशनल कोर्स वाली परीक्षाओं की, हर जगह ट्रेंड यही दिखता है कि महिलाएं न सिर्फ अपनी संख्या बढ़ा रही हैं बल्कि प्रदर्शन में भी लगातार सुधार दर्ज करा रही हैं। निश्चित रूप से यह एक हेल्दी ट्रेंड है। लड़कियों के आगे बढ़ने का मतलब उनके आत्मविश्वास का बढ़ना है, उनका ज्यादा असर्टिव होना है। ऐसी लड़कियां परिवार के अंदर या वर्कप्लेस पर अपनी सही जगह न सिर्फ चाहती हैं बल्कि उसे हासिल करती हैं। उम्मीद है कि अच्छी पढ़ाई के बाद जब ये लड़कियां पेशेवर जिंदगी शुरू करें तो वहां उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं होगा।

अगर हमें 'विश्व मित्र' बनना है तो...बदलना होगा पड़ोसियों से अपना व्यवहार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले और दूसरे कार्यकाल में सरकार के समर्थकों ने यह दावा किया कि भारत विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ रहा है। बार-बार कहा गया कि हमारी सभ्यतागत गहराई, समृद्ध दार्शनिक परंपराएं और विशिष्ट आध्यात्मिक प्रथाओं ने हमें संस्कृति के मामले में हमेशा अग्रणी रखा है। अब भारत आर्थिक और तकनीकी तौर पर सफल है। वैश्विक नेतृत्व भी इससे पूरी तरह आश्वस्त है। इस दावे को व्यक्ति केंद्रित रखा गया और कहा गया कि सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए विदेश में जी-20 बैठकों की मॉर्फ्ड तस्वीरें सामने आईं, जिनमें हमारे प्रधानमंत्री को एक भव्य इमारत की सीढ़ियों से उतरते हुए देखा गया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति, फ्रांसीसी राष्ट्रपति, ब्रिटिश प्रधानमंत्री आदि चुपचाप उनके पीछे चल रहे थे। इस तरह के प्रचार का कुछ हद तक असर भी हुआ। वर्ष 2023 में भारत द्वारा जी-20 की बारी-बारी से अध्यक्षता संभालने के बाद मेरे एक मित्र ने दिल्ली मेट्रो में किसी को यह कहते हुए सुना, आपको पता है कि मोदी जी केवल हमारे देश के नहीं, बीस देशों के प्रधानमंत्री हैं!

उसी समय एक बदलाव पार्टी के प्रचार की दुनिया में उभरकर सामने आया। कहा जाने लगा कि भारत विश्व मित्र है। यह मोदी शासन की महत्वाकांक्षाओं का स्पष्ट रूप से अवमूल्यन था। भारत अभी दुनिया को सिखाने की स्थिति में नहीं था, फिर भी वह दुनिया के हर देश से दोस्ती करने की अनोखी स्थिति में था। अपनी बड़ाई खुद करने की यह स्थिति भारतीय राजनीति में क्यों आई, इसके बारे में अटकलें ही लगाई जा सकती हैं। क्या ऐसा इसलिए हुआ कि दिल्ली मेट्रो में बैठे भक्तों के विपरीत शासन के प्रचारकों को पता था कि भारत की जी-20 अध्यक्षता बहुत अस्थायी है और बहुत जल्द समाप्त हो जाएगी? या हमारी अर्थव्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी? या फिर हमारी सीमा पर चीनी घुसपैठ और प्रधानमंत्री की उसके बारे में बोलने की अनिच्छा ने वैश्विक नेतृत्व के हमारे दावों को खोखला बना दिया? तथ्य यह है कि विमर्श में एक स्पष्ट बदलाव आया था। सत्ता पक्ष के शांत और यथार्थवादी समूहों में 'विश्व मित्र' शब्द का उपयोग पहले से कहीं अधिक बार किया जा रहा था।

हालांकि बांग्लादेश संकट के मद्देनजर इस हल्के, कम गंभीर अहंकार को भी त्यागने का समय आ गया है। ऐसा लगता है कि हमारे निकटतम पड़ोसी देशों के नागरिक भारत को एक विश्वसनीय या भरोसेमंद मित्र नहीं मानते हैं। कई बांग्लादेशी भारतीय इरादों को लेकर आशंकित हैं, जिसका मुख्य कारण मोदी शासन द्वारा शेख हसीना के निरंकुश तरीकों का उत्साहपूर्ण समर्थन है। पिछली जनवरी में जब शेख हसीना ने दोबारा हुए चुनाव में धांधली से जीत हासिल की थी, तब भी भारतीय चुनाव आयोग ने बांग्लादेशी चुनाव आयोग की तारीफ की थी। श्रीलंका और नेपाल में भी यह भावना साफ तौर पर मौजूद है कि भारत का व्यवहार पड़ोसी देशों के प्रति अहंकारपूर्ण है। इन तीनों देशों के नागरिकों द्वारा दिए गए एक संयुक्त बयान में यह कहा गया कि भारत सरकार को हमारी राजनीति में दखल नहीं देना चाहिए। कई सालों से कोलंबो, ढाका और काठमांडू में नई दिल्ली के राजनीतिक, नौकरशाही और खुफिया तंत्र के दखल ने एक अंतहीन राजनीतिक अस्थिरता को बढ़ाया है और निरंकुश शासन को बढ़ावा दिया है। इन आरोपों को एक खास अहमियत दी जाती है। इसलिए बांग्लादेश के इन लेखकों के बयान कि पिछले दशक में शेख हसीना के निरंकुश शासन को बढ़ावा देने में नई दिल्ली ने सक्रिय भूमिका निभाई और उसके बदले में कई तरह की राजनीतिक और आर्थिक रियायत प्राप्त कीं। श्रीलंका के बारे में वे कहते हैं, आईपीकेएफ के समय से पहले और उसके बाद से श्रीलंका को अपनी राजनीति में नई दिल्ली के अतिक्रमण से बार-बार जूझना पड़ा है। इसके अलावा नई दिल्ली के अधिकारी सक्रिय रूप से भारतीय व्यापार समूहों को द्वीप पर व्यापार के लिए प्रेरित कर रहे हैं। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के बुद्धिजीवियों का ऐसा विचार है कि भारत ने हमेशा से एक दबंग बड़े भाई का किरदार निभाया है। 19वीं सदी में मेक्सिको के राष्ट्रपति ने कहा था, मेक्सिको ईश्वर से जितना दूर है, अमेरिका के उतना ही करीब है।

ऐसा नहीं है कि भारत के इरादे अभी ऐसे हो गए हैं। यह पहले से ही रहे हैं, जब राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना को श्रीलंका में भेजा था। उन्होंने नरेंद्र मोदी से पहले नेपाल पर नाकाबंदी लगा दी थी। सही मायनों में वह हमारे पहले प्रधानमंत्री ही रहे होंगे, जो विदेश मंत्री भी थे। उन्होंने ही इस संबंध में दिशा तय की होगी। जवाहरलाल नेहरू के साथ काम कर चुके राजनयिक जगत मेहता ने एक बार कहा था, नेहरू इस बात को पूरी तरह से समझ नहीं पाए या विदेश मंत्रालय ने उन्हें सही सलाह नहीं दी कि 20वीं सदी में अपने असमान पड़ोसियों के साथ कूटनीति स्थापित करना कितना मुश्किल हो सकता है? कम्युनिस्ट चीन ने मैकमोहन रेखा को कभी नहीं माना। उसका कहना है कि उससे हस्ताक्षर दबाव में कराए गए थे। उस समय वह पश्चिमी साम्राज्य के अधीन था। 1962 में चीन के आक्रमण ने भारतीयों के मन पर एक गहरा घाव दिया है। उसी तरह पाकिस्तान ने न सिर्फ जम्मू-कश्मीर, बल्कि देश के कई हिस्सों में आतंकवाद को बढ़ावा दिया है। ऐसे में उसके साथ मेल-मिलाप से मुश्किलें बढ़ती हैं। हालांकि छोटे पड़ोसी देशों के साथ इस तरह की समस्या नहीं है। इसके विपरीत कई ऐसे कारक हैं, जो देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। मसलन, भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा है और कई सांस्कृतिक समानताएं हैं। भारत ने बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजाद होने में मदद की। भारत और श्रीलंका का औपनिवेशिक इतिहास एक ही रहा है। ऐसे में अगर भारत और इन तीनों देशों के बीच संबंध कभी भी सहज नहीं रहे हैं तो यह बड़े और शक्तिशाली राष्ट्र की ओर से आत्मनिरीक्षण की मांग करता है।

साल 2007-08 में जब हमारी अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी थी, तब भारत के 'सुपर पावर' बनने की बातें बहुत की जाती थीं। इस तरह के दावे समय से पहले थे। दुनिया पर वर्चस्व बनाने वाली सोच की जगह अपनी सामाजिक और राजनीतिक गलतियों में सुधार करना अधिक बुद्धिमानी थी। मनमोहन सिंह के दूसरे कार्यकाल में भारत को वैश्विक स्तर पर महान बनाने की बात कम हो गई। हालांकि नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में यह बात फिर से उभरी और स्वदेशी के लेबल के तहत उसकी ब्रांडिंग की गई।

हमारा देश जिस तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनमें संस्थाओं का नष्ट होना, बढ़ती असमानता, भ्रष्टाचार तथा भाई-भतीजावाद के अलावा पर्यावरणीय गिरावट शामिल हैं। ऐसे में भारत के विश्व गुरु बनने की बात का कोई मतलब नहीं है। हां, विश्व मित्र बनने वाली बात में दम लगता है। अगर भारत दुनिया के सभी देशों का दोस्त बनकर रहना चाहता है तो उसे अपने पड़ोसियों के साथ व्यवहार में बदलाव लाना होगा, खासतौर पर बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के साथ। इन देशों के साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए हमें न सिर्फ उनके नेताओं, बल्कि नागरिकों के प्रति भी आदर और विश्वास का भाव दिखाना होगा।

खुशी वाली कोशिका को पहचानें, हर रोज कुछ ऐसा करें कि खिल उठें मन की कलियां

जीवन में कभी-कभी ऐसे क्षण भी आते हैं, जब खुशी की सख्त जरूरत होने के बावजूद हम अक्सर उन अनुभवों से बचते हैं, जिनसे हमें यादा आनंद मिल सकता है। मसलन, हम जन्मदिन पार्टी छोड़ देते हैं, या लंच कैंसिल कर देते हैं। और फिर हम पहले से यादा बुरा महसूस करते हैं। तो उदासी, तनाव, थकावट या अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

ऐसे में खुद को मजबूत बनाना एक सफल रणनीति है, जिसे मनोवैज्ञानिक प्रतिफल संवेदनशीलता (रिवॉर्ड सेंसिटिविटी) कहते हैं। खुशी तलाशने की इछा एक ताकत है, जिसे हम विकसित कर सकते हैं। हमें बस अपनी खुशी वाली कोशिका को मजबूत बनाना होगा। अनुभवों का आनंद लेने की हमारी क्षमता भी इस पर ही निर्भर है। लगभग हर इन्सान अपनी सकारात्मक भावनाओं को समझने व आनंद लेने के लिए खुद को प्रशिक्षित कर अपनी रिवॉर्ड सेंसिटिविटी बढ़ा सकता है।

यह अवसाद और चिंताग्रस्त लोगों के लिए भी सच है, जो आनंद के लिए जूझते हैं। जब मानसिक स्वास्थ्य उपचार की बात आती है, तो चिकित्सक अपने रोगियों के नकारात्मक लक्षणों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। लेकिन यादातर लोगों को दर्द कम करने के साथ अपनी खुशी बढ़ाने की भी जरूरत है। रिवॉर्ड सेंसिटिविटी बढ़ाने के लिए आप व्यायाम आजमा सकते हैं। जब तक यह मददगार हो, इसे रोजाना करें, लेकिन कम से कम एक हफ्ते तक इसे करने का प्रयास करें। प्रतिदिनऐसी गतिविधि की शुरुआत करें, जो आपको खुश करे।

इससे सकारात्मक अनुभवों को टालने की संभावना कम हो जाएगी। यह पसंदीदा स्नैक खाने, उपन्यास के कुछ पन्ने पढ़ने या किसी मित्र से आमने-सामने बैठकर या वीडियो पर बात करने जैसा छोटा काम भी हो सकता है। मनोवैज्ञानिक सकारात्मक भावनाओं को पहचानने और उनमें डूबने की प्रक्रिया को स्वाद लेना कहते हैं। डॉ. लाफ्रेनियर के अनुसार, आनंद लेने से किसी घटना के नकारात्मक पहलुओं से मुकाबला करने में भी मदद मिलती है।

सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाने के लिए अपनी खुशी की शब्दावली का विस्तार करें। सामाजिक संवेदनशीलता पर शोध करने वाले कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर चार्ली टेलर कहते हैं, अपनी भावनाओं को व्यक्त करना लुभावना हो सकता है। लेकिन आपको सबसे यादा खुशी किस बात से मिली, यह बताने से आप बेहतर महसूस कर सकते हैं, उस खुशी को दूसरे व्यक्ति तक फैला सकते हैं और रिश्ते को भी मजबूत बना सकते हैं। हमेशा खुद को खुश रखें।

महिला सुरक्षा की विफलता- कानूनी व सामाजिक ढाँचे में प्रभावी सुधार की चुनौतियाँ

भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध एक गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है, जो लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय की प्रगति को बाधित कर रहा है। हाल की घटनाओं ने महिला सुरक्षा उपायों में गंभीर कमियों को उजागर किया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, दहेज अपराध और मानव तस्करी जैसी घटनाएं लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। इस समस्या की जड़ें पितृसत्तात्मक मानदंडों, आर्थिक असमानताओं और सांस्कृतिक प्रथाओं में गहरी हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए प्रभावी कानून प्रवर्तन और सामुदायिक सहभागिता सहित बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की यौन हिंसा और हत्या ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा की गंभीर चुनौतियों को उजागर किया है। इस घटना ने सुप्रीम कोर्ट को केंद्र और राज्य सरकारों को डॉक्टरों की सुरक्षा को संस्थागत बनाने के निर्देश देने के लिए प्रेरित किया। इसके तहत राष्ट्रीय टास्क फोर्स की स्थापना की गई है, जो चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा और महिला चिकित्सकों के लिए अनुकूल कार्यस्थल सुनिश्चित करने के उपाय सुझाएगी। 2012 के निर्भया कांड के बाद बने कानूनों और दिशा-निर्देशों के बावजूद, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जमीनी स्तर पर सुधार कम दिखा है। निर्भया फंड के तहत आवंटित धन का उचित उपयोग नहीं हुआ है, और बलात्कार के मामलों में मामूली गिरावट आई है। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कानूनों के साथ-साथ उनका पारदर्शी और संवेदनशील अनुपालन आवश्यक है। महिलाओं की सुरक्षा और कार्यबल में उनकी भागीदारी तब तक अधूरी रहेगी जब तक अपराधियों और कर्तव्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित हों।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिलाओं के खिलाफ 4,45,256 अपराध दर्ज किए गए, जो प्रति घंटे 51 प्राथमिकी के बराबर है और पिछले वर्ष की तुलना में 4% अधिक है। प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध की दर 66.4 थी, जबकि आरोप-पत्र दाखिल करने की दर 75.8त्न रही। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में से 31.4% पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता, 19.2% अपहरण और 18.7% शील भंग करने के इरादे से हमला था। दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर सबसे अधिक थी, जबकि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा FIR दर्ज हुईं।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों से निपटने में कई चुनौतियाँ हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मानदंड, कार्यस्थल पर शोषण, और असुरक्षित सार्वजनिक स्थान महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। कानूनी प्रणाली की कमियाँ, जैसे पुलिस की लापरवाही और न्याय में देरी, न्याय की राह में बाधा बनती हैं। सामाजिक कलंक, पीड़िता को दोष देना, और शिक्षा व जागरूकता की कमी भी समस्याओं को बढ़ाते हैं। आर्थिक निर्भरता, घरेलू हिंसा, साइबर धमकी, और मादक द्रव्यों का सेवन भी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को बढ़ावा देते हैं। झूठे आरोप वास्तविक पीड़िताओं की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं।

भारत में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों से निपटने के लिये कई विधिक ढाँचे और न्यायिक पहलें लागू की गई हैं। इनमें कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने के लिये 2013 का अधिनियम, दंड विधि (संशोधन) अधिनियम 2013, और POCSO शामिल हैं, जो यौन अपराधों के लिये कठोर दंड प्रदान करते हैं। इसके अलावा, न्यायालय ने कई महत्त्वपूर्ण निर्णय दिये हैं, जैसे कि विशाखा दिशानिर्देश, व्यभिचार को अपराधमुक्त करना, और एसिड हमलों पर रोकथाम। इन ढाँचों का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है।

सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई पहलें शुरू की हैं। 'निर्भया फंड' महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने वाली परियोजनाओं को समर्थन देता है। 'वन स्टॉप सेंटर' और महिला हेल्पलाइन, हिंसा से प्रभावित महिलाओं को सहायता प्रदान करते हैं। 'महिला पुलिस स्वयंसेवक' और 'स्वाधार गृह योजना' संकटग्रस्त महिलाओं को सहायता और आश्रय प्रदान करते हैं। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना, लैंगिक भेदभाव को रोकने और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देती है।

यौन अपराधों की जाँच के लिए ट्रैकिंग प्रणाली और सुरक्षित शहर परियोजना भी लागू की गई हैं। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिला अधिकारों पर जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

महिलाओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है, जिसमें कानून प्रवर्तन कर्मियों का प्रशिक्षण, फास्ट-ट्रैक कोर्ट की स्थापना, और लिंग संवेदीकरण शामिल है। पुलिस प्रशिक्षण में सुधार और विशेष पुलिस इकाइयों का गठन आवश्यक है। हिंसा के उत्तरजीवियों के लिए बेहतर सहायता प्रणाली, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, और प्रौद्योगिकी के उपयोग से रिपोर्टिंग में सुधार किया जा सकता है। न्यायपालिका और विधि प्रवर्तन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और नियमित प्रभाव आकलन करने पर भी जोर दिया गया है। मीडिया को जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल की एक घटना के बाद, केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी अस्पतालों और प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों को सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों में 12 प्रमुख अनुशंसाएँ शामिल हैं, जैसे उच्च-रिज़ॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए नियंत्रण कक्ष, महिला स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए सुरक्षित ड्यूटी रूम और परिवहन की व्यवस्था। साथ ही, सुरक्षा गार्डों का प्रशिक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों में सीमित पहुँच, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, और स्थानीय पुलिस व आपातकालीन सेवाओं के साथ समन्वय पर भी जोर दिया गया है। भारत में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की चुनौती से निपटने के लिए व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। NCRB की रिपोर्ट बताती है कि महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रबल प्रयासों की जरूरत है।

इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर लिंग-आधारित हिंसा के मूल कारणों को दूर करने, मौजूदा कानूनों के प्रवर्तन को सुदृढ़ करने, लिंग संवेदीकरण को बढ़ावा देने और उत्तरजीवियों के लिए व्यापक सहायता सेवाएँ प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समाज के सभी क्षेत्रों से निरंतर और ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। (राजीव खरे)

10 वर्ष बाद भी नही मिला मुआवजा व नौकरी

किसानों ने उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

शहडोल, एसईसीएल एवं प्रशासन से उपेक्षित किसान, ग्रामीणों सहित जनप्रतिनिधियों ने ग्राम सभा का बहिष्कार कर दिया। 10 साल बीत जाने के बाद भी ग्रामीणों को मुआवजा, पुनर्वास, पुनर्स्थापना, और रोजगार नहीं मिला। नाराज ग्रामीणों ने आज ग्राम सभा का बहिष्कार कर उग्र आंदोलन की चेतवानी दी है। 10 साल बाद मुआवजा और नौकरी नहीं मिली।

शहडोल जिल के जनपद पंचायत बुढ़ार के रामपुर ग्राम पंचायत अन्तर्गत बटुरा ओपन माइंस की अधिग्रहित जमीन और उसके बदले नौकरी के नियमों और शर्तों को लेकर ग्रामीण किसान एक बार फिर नाराज है। शहडोल और अनूपपुर दोनों जिले के बॉर्डर गांव की खदान परियोजना में बड़ी भूमिका है। एसईसीएल के जिम्मेदारों द्वारा किसानों का सबसे ज्यादा दोहन व उपेक्षा की जा रही है। वर्ष 2016 से रोजगार और मुआवजा की कार्यवाही प्रारंभ हुई थी, लेकिन प्रशासनिक लचर व्यवस्था के चलते किसान ग्रामीणों को 10 साल बीत जाने के बाद भी उनकी संपत्ति एसईसीएल अधिग्रण करने के बाद भी हक नहीं दिला पा रही है। 7 गांवों के ग्रामीण प्रभावित रामपुर की सरपंच प्रेमिया बैगा ने बताया कि एसईसीएल द्वारा जमीन का अधिग्रहण वर्षो पूर्व किया था, लेकिन आज तक मुआवजा और नौकरी नहीं दी। खेती खत्म हो चुकी है, कई बार आंदोलन, धरना सहित पत्राचार किया गया, लेकिन आज तक कोई हल नहीं निकला। लगभग 7 गांवों के लोग प्रभावित हैं। जनपद सदस्य चंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि ग्रामसभा का बहिष्कार एसईसीएल की कार्यशैली के चलते किया गया है। तीन ग्रामों के 1476 लोगों को रोजगार देना था, तीन साल में केवल 500 लोगों की भर्ती हुई है। कलेक्टर, विधायक सहित अन्य नेता आते, आश्वासन देते और इधर कोई ध्यान नहीं देता। कालरी ने अपना काम शुरू कर दिया है। हमारी मांगे पूरी नहीं होती हैं तो, इस बार बड़ा आंदोलन होगा जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और एसईसीएल की होगी।

पुलिस मुख्यालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं रोकने के उद्देश्य से चला जागरूकता अभियान

एक्सीलेंस स्कूल कोतमा में ट्रेफिक अवयरनेस कार्यक्रम का आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।अनुपपुर, एक्सीलेंस स्कूल कोतमा में ट्रेफिक अवयरनेस कार्यक्रम शासकीय हायर सेकेंडरी एक्सीलेंस स्कूल कोतमा में ट्रेफिक अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया पुलिस मुख्यालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं रोकने के उद्देश्य से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत आज पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मंसूरी एवं अनु विभागीय अधिकारी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा कोतमा के शासकीय हायर सेकेंडरी एक्सीलेंस स्कूल में बच्चों को ट्रैफिक रूल्स की जानकारी देने हेतु अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें 200 से अधिक बच्चों शामिल हुए कार्यक्रम में बच्चों को यातायात संकेतक, रोड साइन ,रोड की मार्किंग ,सड़क दुर्घटनाओं के कारण, सड़क पर पैदल चलते समय सावधानियां ,राइट ऑफ वे, गुड सेमोरिटन योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना, लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया आदि के विषय में प्रेजेंटेशन एवं शॉर्ट मूवी के माध्यम से विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक एवं थाना यातायात से रामधनी तिवारी एवं गणेश यादव उपस्थित रहे.

कोतवाली में पदस्थ एएसआई आरएन तिवारी की पुलिस अधीक्षक से हुई शिकायत

युवक ने एएसआई पर गाली गलौज के साथ ही झूठे मामले में फसाने की धमकी देने का लगाया आरोप

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, अनूपपुर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोतीउर्र रहमान के द्वारा एक दिन पूर्व ही जिले के समस्त थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर जिले की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु बैठक की गई थी,जिसमें सभी थाना प्रभारियों को अवैध धंधों एवं आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु सख्त हिदायत दी गई ।साथ ही थाना क्षेत्रों में गुंडा सूची में शामिल अपराधियों की सूची तैयार कर उन पर नजर रखने के साथ ही उचित कार्यवाही की बात कही गई ।किंतु जब पुलिस विभाग के ही अधिकारी या कर्मचारी आम जनता के साथ गुंडागर्दी पर उतारू होगे तो क्या ऐसी स्थिति में उन्हें भी गुंडा सूची में शामिल कर पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यवाही की जाएगी या फिर ये सारे नियम कायदे सिर्फ आम लोगों तक ही सीमित होगे....? इसी तरह एक मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायतकर्ता ओमकार यादव उर्फ सोनू पिता रामखेलावन यादव निवासी ग्राम-मौहरी तहसील थाना व जिला-अनूपपुर ने लिखित में करते हुए बताया कि वह राय फिलिंग सेंटर में सहायक मैनेजर के पद पर कार्य करता है,दिनांक 21.08.2024 को नोजलमैन कम होने कारण तेल लेने वाले व्यक्तियों की भीड़ ज्यादा देखकर मैं स्वयं खड़े होकर नोजलमैन के साथ तेल देने व सहयोग करने का काम कर रहा था ।तभी लगभग 04:30 बजे शाम को पुलिस थाना अनूपपुर में पदस्थ एएसआई रामनारायण तिवारी अपनी पल्सर मोटरसाईकिल पर आये, और जब मेरे द्वारा अन्य ग्राहको को तेल दिया जा रहा था,उसी वक्त वह मुझे मां बहन की गंदी-गंदी गालिया देते हुए बोले कि क्यों रे तू हंस क्यों रहा है,जिस पर मेरे द्वारा गाली गलौज का कारण पूछे जाने के उपरांत ही ए एसआई रामनारायण तिवारी द्वारा अपनी कमर में रखी पिस्तौल में हाथ लगा निकालने का प्रयास करने लगे,तथा पुन: मां बहन की गाली देते हुए बोले कि तू बड़ा गुण्डा बनता है,मुझसे पूछे कि तेरा मालिक कौन है,उसको भी ठीक करता हूं ।साथ ही धमकी भरे लहजे में रामनारायण तिवारी द्वारा मेरे साथ मारपीट करने के साथ ही किसी झूठे मामले में फंसा देने की बात कही गई ।उस वक्त राय पेट्रोल पम्प में काम करने वाले कर्मचारी बिलेश्वर पटेल,धर्मेन्द्र यादव व अन्य कई लोग भीड लगी थी,जिन्होंने घटना को देखा है ।साथ ही मेरे द्वारा बार-बार तिवारी जी से निवेदन किया गया कि श्रीमान जी आप मुझे गाली क्यों दे रहे है,परन्तु वह नहीं माने और मुझे लगातार सार्वजनिक स्थान पर गंदी-गंदी गाली देते रहे,जो सुनने में बहुत बुरी लग रही थी। शिकायतकर्ता के अनुसार और एएसआई रामनारायण तिवारी पुलिस की वर्दी मे होने के उसके बावजूद भी मुझे गरीब जानकर मेरे साथ गुण्डागर्दी और उपरोक्तानुसार आपराधिक कृत्य कर रहे थे। जिसकी जानकारी मैंने अपने राय पेट्रोल पम्प में काम कर रहे सभी कर्मचारियों को दिया व मैनेजर को भी बताया ।घटना के कुछ देर बाद घटना के संबंध में सूचना थाना प्रभारी अरविंद जैन को देने पर उनके द्वारा कहा गया कि थाने आकर बताओं मै अभी किसी काम में व्यस्थ हूं ।जिसके बाद मैं शाम लगभग 07:00 बजे थाना पहुंचा,जहा थाना प्रभारी किसी अन्य काम से बाहर होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी। वही शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक से अपनी शिकायत में बताया है कि उक्त घटना के बाद मैं आर एन तिवारी के आपराधिक कृत्य से बहुत डर गया हूं ।मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि कोई न कोई मामला मेरे उपर फर्जी बनाकर मुझे फंसाया जा सकता है,अत: निवेदन है कि ए0 एसआई रामनारायण तिवारी के विरुद्ध उपरोक्तानुसार आवेदक के साथ अपराध कारित करने के विरुद्ध मामला दर्ज किया जावे और मेरी रक्षा की जावे।

चोर गिरोह का खुलासा

रैकी कर चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, चोर गिरोह का खुलासा: रैकी कर चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार रात्रि में बंद घर में ताला तोड़कर चोरी करने वाले चोर गिरोह का खुलासा: रैकी कर चोरी की वारदात में सहयोग करने वाली महिला गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा एस. डी. ओ. पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में टी. आई. कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा रात्रि में बंद घर में ताला तोड़कर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा कर वारदात के दौरान रैकी कर सहयोग करने वाली महिला कलावती गोड़ उर्फ कलिया बाई को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती सारिका पटेल पति रामप्रकाश पटेल उम्र 43 वर्ष निवासी पालेटेक्निक कालेज के पास, अनूपपुर के द्वारा रिपोर्ट लेख कराई गई थी कि रक्षाबंधन के पर्व पर परिवार सहित मायके गई हुई थी जो दिनांक 20 अगस्त 24 की सुबह वापस आने पर देखा तो घर का ताला टूटा हुआ था और कमरों का सामान बिखरा पड़ा था, आलमारी में रखे सोने चांदी के पुराने इस्तेमाली सोने चांदी के जेवर तथा 50,000 रूपये नगदी कोई अज्ञात चोर ले गया था उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 331/24 धारा 331(4), 305 (ए) बी. एन. एस. पंजीबद्ध कर विवेचना की गई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के द्वारा उक्त चोरी के खुलासा हेतु टी. आई. कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया एवं मौके पर पुलिस डाग, फिन्गर प्रिन्ट् एक्सपर्ट एवं साइबर पुलिस टीम को भेजा जाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र कराये गये। घटनास्थल के आस पास लगे हुए सी.सी.टी.वी. कैमरों, साइबर सेल एवं मुखबिर से प्राप्त जानकारी के आधार पर घटनास्थल के पास ही त्रिवेणी जायसवाल के निर्माणाधीन मकान में टपरा बनाकर चौकीदारी का काम करने वाली महिला कलावती गोड़ उर्फ कलिया बाई पति स्व. श्यामलाल गोड़ उम्र करीब 58 साल निवासी चन्दासटोला अनूपपुर को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है जिसने महिला पुलिस के द्वारा की गई पूछताछ में अपने बहन के लड़के गोलू गोड़ पिता स्व. श्यामलाल गोड़ उम्र करीब 21 साल निवासी चंदासटोला एवं उसके साथी के द्वारा रात्रि में बंद पड़े मकान में घुसकर चोरी करते वक्त मकान के आसपास रहकर सहयोग करना बताया जो महिला कलावती गोड़ से चोरी करने के बाद हिस्सा बांट में मिले चांदी की दो जोड़ी पायल, चांदी का एक जोड़ी पाजेब, चार नग चांदी के चूड़ा जप्त किया जाकर गिरफ्तार किया गया है प्रकरण में मुख्य आरोपी गोलू गोड़ एवं उसके साथी की गिरफ्तारी के लिए अलग- अलग पुलिस टीम संभावित स्थानो पर भेजी गई है पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के द्वारा चोरी का तत्परतापूर्वक खुलासा करने के लिए टी. आई. कोतवाली अरविन्द जैन के साथ सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिहं, सहायक उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, प्रधान आरक्षक राजेश कंवर, रीतेश सिहं, आरक्षक प्रकाश तिवारी, महिला प्रधान आरक्षक जयासिहं, महिला आरक्षक ज्योति धार्वे, महिला आरक्षक ऊषा सिहं को पुरूष्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

कटनी में हुई चार चोरियों का हुआ खुलासा

दर्जन चोरों गिरफ्तार लगभग 10 लाख का माल बरामद

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी के माधवनगर थाना क्षेत्र की समदडिया कालोनी में हुई चार चोरियों का खुलासा किया है। पुलिस ने एक महिला सहित आधा दर्जन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 10 लाख का माल बरामद किया है। चोरियों का पर्दाफाश करने को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकारवार्ता में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बताया कि सन 2023-24 में समदडिया कालोनी निवासी रमेश गुप्ता, अरूण जसवानी, वन्दित सिंघई और सुनील आहुजा के घरों में चार अलग-अलग घटनाओं में अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवरात और नगदी सहित लाखों का सामान पार कर दिया था। सभी घटनाओं में अपराध कायम कर वारदात में शामिल आरोपियों की पतासाजी के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों को लगाया गया था। जिन्हे सफलता मिली और पुलिस टीमों ने वारदात में शामिल राजा उर्फ मोहन साहू पिता स्वर्गीय गोपाल साहू, उम्र 32 वर्ष, निवासी तिलक कॉलेज शनि मंदिर रोड, थाना एनकेजे, आदि उर्फ आदित्य बर्मन पिता लल्लू बर्मन, उम्र 19 वर्ष, निवासी परसवारा (टिकर) थाना विजयराघवगढ़, हाल तिलक कॉलेज, थाना एनकेजे, पंकज चौधरी पिता अमृत लाल चौधरी, उम्र 22 वर्ष, निवासी दुर्गा चौक, थाना एनकेजे, शनि वंशकार पिता रंगी वंशकार, उम्र 26 वर्ष, निवासी उडिया मोहल्ला, थाना एनकेजे, धर्मेंद्र ठाकुर पिता रामू ठाकुर, उम्र 20 वर्ष, निवासी भट्टा मोहल्ला, थाना रंगनाथ नगर, राजनंदनी पत्नी राजा उर्फ मोहन साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी तिलक कॉलेज शनि मंदिर रोड थाना एनकेजे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों के कब्जे से एक जोड़ी सोने का झुमका, एक सोने की चेन, सोने की बाली और अंगूठी, पांच जोड़ी चांदी की पायल, चार घडियां, पांच जोडी चांदी की बिछिया, चार चांदी की अंगूठी, चार सोने का मंगलसूत्र, एक मोटर साइकिल, एक ऑटो, दो मोबाइल फोन सहित लगभग 10 लाख रूपए कीमती सामान बरामद किया है।

स्कूली बस के बच्चो को उफनाते नाले से ले जा रही बस का वीडियो वायरल

बस चालक, स्कूल संचालक एवं प्रिसिंपल पर एफ.आई.आर.

दर्ज: बस जप्त चालक गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान (भा.पु.से.) के निर्देशन में आज शनिवार को सोशल मीडिया में उफनाते नाले से स्कूली बच्चो की जान जोखिम में डालकर स्कूली बस को ले जाते पाये जाने का एक वीडियो वायरल होना पाये जाने पर थाना कोतवाली अनूपपुर में बस चालक स्कूल संचालक एवं प्रिसिंपल पर एफ. आई.आर. दर्ज की जाकर बस को जप्त कर बस चालक को गिरफ्तार किया गया है। टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन द्वारा जानकारी दी गई कि गत रात्रि जिले मेंलगातार वर्षा के चलते सभी नदी नालो में जल का स्तर बढ़ता चला गया इसी बीच सोशल मीडिया में 22 सेकण्ड का वीडियो वायरल हुआ जिसमें बेथेल मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल अनूपपुर की स्कूल बस क्रमांक एम.पी. 65 पी 0191 का चालक द्वारा बस को कोयलारीटोला नाला मौहरी गांव के पास पानी से ओवर फ्लो हो रहे उफनाते नाला में, बारिश होने की वजह से नाला के पुलिया के ऊपर पानी बह रही था, नाला के ऊपर बहते पानी में वाहन चालक के द्वारा लापरवाही पूर्वक बस में बैठे स्कूली बच्चो का जीवन खतरे में डालकर वाहन को खतरनाक तरीके से चलाते हुए नाला पार करते दिख रहा है। नाला पार करते समय स्कूली बस क्रमांक एम.पी. 65 पी 0191 के चालक के द्वारा जानबूझकर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर स्कूली बच्चो का जीवन खतरे में खतरनाक तरीके से कोयलारीटोला नाला के ऊपर बहते तेज पानी में वाहन को चलाकर नाला पार किया गया है। उक्त वीडियो की तस्दीक करने पर बस क्रमांक एम.पी. 65 पी 0191 बेथेल मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल अमरकंटक रोड अनूपपुर का होना पाया गया। स्कूल का मालिक एवं संचालक पी. के. पुन्नुस निवासी अनूपपुर, प्रिसिंपल सुदीप चक्रवर्ती निवासी अनूपपुर, बस क्रमांक एम.पी. 65 पी 0191 का चालक हेतराम बैगा निवासी सकरा का होना व आज दिनांक 24.08.24 को बेथेल मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल अनूपपुर की दोपहर 14.00 बजे छुट्टी होने के बाद बस में स्कूली बच्चो को छोड़ने धिरौल जाते समय लगभग 15.00 बजे वाहन चालक द्वारा बस में स्कूली बच्चो को बैठाकर कोयलारीटोला नाला मौहरी गांव के पास नाला के ऊपर बह रही तेज पानी में वाहन को निकालना पाया गया है ।पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा टी. आई. कोतवाली को दिए गए निर्देश के आधार पर वीडियो की तस्दीक करने पर बेथेल मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल अनूपपुर के मालिक श्री पी.के. पुन्नुस निवासी अनूपपुर, प्रिसिंपल डाक्टर सुदीप चक्रवर्ती निवासी अनूपपुर, बस क्रमांक एम.पी. 65 पी 0191 का चालक हेतराम बैगा निवासी सकरा के द्वारा अपराध धारा 281,125 बी.एन.एस., 184 एम.वी. एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर उक्त बस को जप्त कर बस चालक हेतराम बैगा को गिरफ्तार किया गया है एवं स्कूल के संचालक पी. के. पुन्नुस निवासी अनूपपुर, प्रिसिंपल सुदीप चक्रवर्ती के विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है।

स्थानांतरित कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले ने स्थापित किए विकास के नए आयाम - कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली

जिले में बेहतर कार्य एवं विकास की अपार संभावनाएं- स्थानांतरित कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि स्थानांतरित कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में अनूपपुर जिले में सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा जिले में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य बहुत ही सराहनीय है। जिले में हर विभाग ने विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां शासन के योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हुआ है। उन्होंने कहा कि जब मैं अनूपपुर जिले के कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण आया उसके पूर्व मैंने अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और अमरकंटक के विकास एवं बदलाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इससे पता चला कि स्थानांतरित कलेक्टर द्वारा विकास के क्षेत्र में किए गए कार्य बहुत ही सराहनीय है। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज अनूपपुर में आयोजित नवागत कलेक्टर के स्वागत एवं स्थानांतरित कलेक्टर के विदाई समारोह को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर ने कहा कि स्थानांतरित कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। मैं भी ऐसा प्रयास करूंगा कि जिले में जनहित कार्य योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो एवं विकास कार्यों का बेहतर संपादन हो। उन्होंने कहा कि जिले के विकास में स्थानांतरित कलेक्टर का समय-समय में मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे, यह भी अपेक्षित है एवं स्थानांतरित कलेक्टर जिन पदों पर जाएं वहां और बेहतर कार्य करें। उन्होंने स्थानांतरित कलेक्टर को शुभकामनाएं दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानांतरित कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने कहा कि अनूपपुर जिला एक जनजातीय बाहुल्य जिला है। जहां बेहतर कार्य एवं विकास की अपार संभावनाएं हैं, जरूरत है अच्छे कार्य करने की। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान अधिकारियों द्वारा बहुत अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि शासन का कोई भी कार्य निजी नहीं होता, बल्कि सभी कार्य टीम का होता है और टीम भावना से किया गया कार्य में हमेशा सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि यहां के विद्यार्थियों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस जरूरत है सही मार्गदर्शन की, इसलिए हमने यहां जेईई और नीट के तैयारी के लिए कोचिंग क्लास शुभारंभ किया, जिसका परिणाम अच्छा रहा। यह सतत चलता रहे और ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी जेईई और नीट में चयनित हो। स्थानांतरित कलेक्टर ने कहा कि मेरा कलेक्टर के रूप में अनूपपुर पहला जिला था, यह मेरे लिए बहुत ही प्रसन्नता एवं गर्व की बात है कि मैं जिले को विकास के मार्ग में प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों ने बेहतर काम किया जो बहुत ही सराहनीय है। स्थानांतरित कलेक्टर ने कहा कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बहुत मेहनत कर सफल बनाया है, जो प्रसंसनीय है। स्थानांतरित कलेक्टर ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में बेहतर कार्य करने की सलाह दी। कार्यक्रम को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी वन श्री अरिहंत कोचर, सहायक संचालक उद्यान श्री सुभाष श्रीवास्तव, जिला स्वास्थ्य अधिकारी श्री आर.पी. सोनी सहित अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी संबोधित कर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान स्थानांतरित कलेक्टर को वर्तमान कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोतिउर रहमान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय विशिष्ट शर्मा ने स्मृति चिन्ह एवं मां नर्मदा का छायाचित्र भेंट किया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, सहायक कलेक्टर श्री महिपाल सिंह गुर्जर, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक, खनिज अधिकारी सुश्री आशालता वैद्य, जिला परिवहन अधिकारी श्री सुरेंद्र गौतम, जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री बी.एस. परिहार सहित विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

चंदपुरी राम मंदिर में हुआ जलाभिषेक

पंच कुंडीय महायज्ञ व देवी जागरण आज

लाकेश पंचेश्वर | सिटी चीफ | लालबर्रा, जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम चंदपुरी निवासी धर्मप्रेमी व बजरंग दल जिला मिलन प्रमुख राजू बेलवंशी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि लालबर्रा प्रखंड से चंदपुरी व अन्य ग्रामो से 107 धर्मप्रेमियों द्वारा बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी दर्शन जम्मू कश्मीर लद्दाख से लौटे सभी धर्मप्रेमियों द्वारा आज 25 अगस्त 2024 रविवार को राम दरबार (राम मंदिर) चंदपुरी में सुबह 8:00 बजे जलाभिषेक वस्त्र धारण एवं 12:00 बजे से 3 बजे तक पंच कुंडीय महायज्ञ एवं 4:00 बजे से विशाल भंडारा महाप्रसादी एवं रात्रि 8:30 बजे से देवी जागरण ग्रुप बालाघाट द्वारा झांकियों के साथ शानदार प्रस्तुति का आयोजन रखा गया है। उक्त धार्मिक कार्यक्रम में चंदपुरी के ग्राम वासियों ने धर्मप्रेमी क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने एवं धर्म लाभ अर्जित करने अपेक्षित किया है।

खबर प्रकाशन के बाद भी कुंभकर्ण कि नींद सोया पीएचई विभाग

झामूल पंचायत में अब तक नहीं लगा हर घर नल

लाकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ।

बालाघाट, शासन ने हर घर नल और हर घर जल योजना चालू करवाई थी जिसको लेकर बहुत ज्यादा प्रचार प्रसार भी किया गया था ताकि यह योजना गांव गांव तक आसानी से पहुंच सके और सभी लोग इस योजना का लाभ ले सके इस योजना को लेकर सरकार ने करोडो रुपयों कि राशि भी खर्च कि थी लेकिन कुछ लापरवाह अधिकारियों व ठेकेदारों ने इस योजना को पलीता लगाने का काम किया है,इस योजना पर अनेक सवाल पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसा ही सवाल बिरसा जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झामूल में बार बार उठ रहा है बार-बार इस मुद्दे पर खबर का प्रकाशन किया जा रहा है,ग्राम पंचायत झामूल में नल जल योजना अन्तर्गत लगने वाला नल पीएचई विभाग व ठेकेदार कि लापरवाही के चलते आज तक एक भी घरों में नहीं लगा है,जिससे ग्रामीणों को शुद्ध जल नहीं मिल पा रहा है,जिससे ग्रामीणों में विभाग व ठेकेदार के प्रति आक्रोश दिखाई दे रहा है,तथा ग्राम सरपंच गौतरिया मरावी ने विभाग व ठेकेदार कि अनेकों बार लिखीत शिकायत भी दर्ज करवाई है लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है,जिसको लेकर 2 अगस्त को खबर विभाग कि लापरवाही के चलते झामूल पंचायत में अब तक नहीं लगा हर घर नल शीर्षक पर खबर लगाया गया था तथा पीएचई विभाग के एसडीओ से मौखिक रूप से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तु स्थिति से अवगत भी कराया गया था जिस पर उनके द्वारा कहा गया था कि बरसात के चलते काम को रोका गया है तथा बिजली कि समस्या भी बताये थे लेकिन एक सप्ताह के भीतर ही काम को विधिवत रूप से चालू करवा दिया जायेगा ऐसा उनके द्वारा कहा गया था लेकिन अभी

नहीं किया गया है। वहीं ग्राम सरपंच श्री गौतरिया मरावी ने पीएचई विभाग व ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया है तथा उनका आरोप है कि जब भी ठेकेदार व अधिकारियों को फोन किया जाता है तो फोन लगने के बाद भी वे लोग हमारा फोन नहीं उठाते हैं,जब वे लोग हम जनप्रतिनिधियों का फोन नहीं उठाते है तो आम नागरिकों कि तो बात ही अलग है जबकि गांव कि जनता को एक सरपंच पर बहुत भरोसा रहता है कोई भी समस्या होती है तो वह सीधे हमारे पास ही आते है लेकिन ऐसे लोगों कि वजह से ही काम नहीं हो पाता है ग्रामीणों से जानकारी मिली कि गांव में कुछ दिन पहले ही पीएचई विभाग से एसडीओ इंजीनियर व ठेकेदार गांव में आये हुए थे तथा ग्राम के ही सीधे साधे लोगों को विश्वास में लेकर धोके से पंचनामा में हस्ताक्षर करवा लिए हैं तब से वह गांव में नहीं आये है और काम भी नहीं कर रहे हैं जिसकी सीएम हेल्पलाइन नंबर पर भी शिकायत हो चुकी है, जिसका शिकायत नंबर 28598789 है लेकिन अभी तक विभाग व ठेकेदार पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है ना ही ग्राम में विभाग व ठेकेदार कोई काम करवा रहे हैं ऐसा लगता है कि सब चोर चोर मौसेरे भाई है सब कमीशन का खेल लगता है इस वजह लापरवाही बरती जा रही है तभी तो लिखीत शिकायत दर्ज करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है और विभाग व ठेकेदार मजे ले रहे हैं और ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायत पर भी काम शुन्य, नहीं मिल रहा हर घर शुद्ध जल ज्ञात हो कि ग्राम सरपंच के द्वारा लगातार पीएचई विभाग व ठेकेदार कि शिकायत पर शिकायत दर्ज करवाई जा रही है लेकिन अभी तक किसी पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है तथा धरातल पर आज भी काम शुन्य जैसा है जिस वजह से आज तक एक भी घरों में हर घर नल जल योजना तक पानी नहीं मिल पा रहा है, जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है और विभाग कुंभकर्ण कि नींद सोया हुआ है उनको कोई चिंता नहीं है वहीं ग्रामीणों ने नवागत जिलाधीस महोदय से ऐसे लापरवाह अधिकारियों व ठेकेदार पर कार्यवाही कि मांग कि है तथा योजना पर काम चालू किए जाने कि मांग किये है। ताकि हर घर में शुद्ध जल मिल सके हैं।

इनका कहना है

गांव में एक भी घरों में नल जल योजना के तहत शुद्ध जल नहीं मिल रहा है जिसकी अनेकों बार शिकायत कर चुके है कोई कार्यवाही नहीं हो रही है विभाग व ठेकेदार लापरवाही बरत रहे हैं नवागत जिलाधीस महोदय से मांग है कि तत्काल ही ऐसे लापरवाह अधिकारियों व ठेकेदार पर कार्यवाही करें।

गौतरिया मरावी सरपंच
ग्राम पंचायत झामूल (बिरसा)

एक टोला है वहां पानी नहीं पहुंच रहा है ठेकेदार को भी बोल दिया गया है आपसे बात करने के बाद मैं खुद गया था कि चालू करवा दें, वहां जो मेन प्राब्लम आ रहा है देखिए ठेकेदार ने तो काम कम्पलीट किया है जो आपरेटर है,पम्प आपरेटर चूंकि तीन महीने ठेकेदार को चलाना है उसके बाद पंचायत को चलाना है पंचायत जहां तक पेमेंट नहीं दे रही है जो भी है किन्तु मैं गया था बैठा समस्या को सुना तथा आप जितने बार फोन कर रहे हैं उतने बार अपनी बात हो रही है कुछ भी बोला जा सकता है अपन ठेकेदार को ही बोल सकते हैं यदि वह काम नहीं कर रहा है तो कार्यवाही के लिए डिवीजन भेज देंगे ठेकेदार पद्धति है तो ठेकेदार के ही भरोसे काम करना है आपरेटर सिस्टम को समझना पड़ेगा सबके सामने बोलकर साइन करवायें है वह कागज मेरे पास है,जिस टोले पर दिक्कत जा रही है उसको हल करेंगे टेक्नोलॉजी बहुत सारी चीजें रहती है

एस डी ओ पीएचई बैहर

जिलाधिकारी ने की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा

रूफटॉप सोलर पावर प्लांट लगाने का सुनहरा मौका एक लाख आठ हजार तक पाएं सब्सिडी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण हेतु बनाई गयी समिति द्वारा समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी एवं प्रचार प्रसार, वेण्डर्स की समस्याओं, नेटमीटर की उपलब्धता व ससमय स्थापना, बिजली बिल का समय से निर्गमन व संशोधन, ऋण हेतु बैंकों के साथ समन्वय, विभिन्न बैंकों का ऋण हेतु लक्ष्य, वेण्डर को लोन के साथ-साथ सोलर पैनल, इन्वर्टर की उपलब्धता आदि बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया गया।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने योजना के अंतर्गत जनपद को आंवटित 45 हजार के लक्ष्य के सापेक्ष शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र लाभार्थियों को ऑनलाईन पंजीकरण के उपरान्त उन्हें शत-प्रतिशत योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने नगर निगम, विकास प्राधिकरण एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित करते हुए शत- प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संचालित योजना की विस्तृत जानकारी लाभार्थी को उपलब्ध करायी जाए एंव ऑनलाईन पंजीकरण किये जाने में लाभार्थी को जो भी समस्या उत्पन्न हो रही है,उनको विभाग द्वारा समन्वय स्थापित करते हुए तत्काल समाधान किया जाय। योजना के अंतर्गत स्थापित संयत्र के रख-रखाव के बारे में भी लाभार्थियों को जानकारी दी जाए तथा संयत्र स्थापना हेतु लाभार्थियों को बैंक से ऋण उपलब्ध कराये जाने हेतु हर सम्भव प्रयास किया जाए। उपभोक्ता द्वारा सोलर संयंत्रो की स्थापना में व्यय की गयी धनराशि की प्रतिपूर्ति विद्युत बिल के बचत के रूप में 4 से 5 वर्षों में हो जाती है। संयंत्र का जीवन काल लगभग 25 वर्षों का होता है। अत: शेष 20 वर्षों तक सयंत्र से उत्पादित विद्युत उपभोक्ता को नि:शुल्क प्राप्त होती रहेगी। संयंत्र की स्थापना उपरान्त केन्द्र सरकार एंव राज्य सरकार से अनुमन्य अनुदान उपभोक्ता के खाते में प्राप्त होता है। पीएम सूर्य घर योजना मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 से 10 किलोवाट तक स्थापित संयंत्रों पर सब्सिडी का लाभ दिए जाएगा। 45 हजार से लेकर करीब 1.08 लाख रुपये का अनुदान मिल सकता है। परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा आर0बी0 वर्मा ने योजना के बारे में बताते हुए कहा कि योजनान्तर्गत केन्द्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी विद्युत घरेलू उपभोक्ताओ को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु नेशनल पोर्टल https://pmsuryaghar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 07 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध अधिकृत वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य अभियंता विद्युत एसके अग्रवाल,मुख्य प्रबंधक, जिला अग्रणी बैंक, प्रवीण जमुआर, लघु उद्योग भारती से अनुपम गुप्ता सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारीगण, इम्पैनल्ड वैण्डर्स आदि उपस्थित रहे।

लगातार बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण :- भगत सिंह वर्मा

पृथक राज्य बनने पर हाईकोर्ट स्वत: ही बन जाएगी - वर्मा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन दीवानी कचहरी बार रूम में आयोजित अधिवक्ता गण की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारतवर्ष का ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है। दुनिया के चीन, भारत, यूनाइटेड स्टेट अमेरिका तीन देश जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश से बड़े हैं। यूनाइटेड स्टेट अमेरिका की जनसंख्या 34 करोड़ है और वहां पर 50 राज्य हैं। जबकि भारतवर्ष में 25 करोड़ का उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है। बड़ा राज्य होने के कारण यहां कानून व्यवस्था ठप्प हो गई है। पूरा प्रदेश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अवयवस्था की चपेट में है। यहां शिक्षा और चिकित्सा काफी निम्न स्तर की है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की उन्नति के लिए उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण जरूरी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिले प्रदेश सरकार को 80% राजस्व देते हैं जबकि यहां के विकास पर मात्र 19व धन खर्च किया जाता है। जो यहां की 8 करोड़ जनता के लिए सरासर अन्याय है। नौकरी में भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश की भागीदारी नाम मात्र को है। भगत सिंह वर्मा ने बुद्धिजीवी अधिवक्ता गणों से पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की और कहा कि पृथक राज्य बनने पर यहां हाई कोर्ट अपने आप ही आ जाएगा। पृथक पश्चिम प्रदेश में सभी के लिए शिक्षा और चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी और निःशुल्क होगी और यहां प्रति व्यक्ति

वार्षिक आय दुनिया में सबसे अधिक कतर देश से भी अधिक होगी। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अशोक मलिक ने कहा कि ढाई दशक से अधिक से हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा लगातार पृथक राज्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पृथक राज्य के लिए हम भी आपसे सहयोग की अपेक्षा करते हैं। डॉ अशोक मलिक ने कहा कि पृथक राज्य बनते ही यहां हाईकोर्ट की बेंच नहीं पूरा हाई कोर्ट ही मेरठ में होगा। सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष पूर्व डी जी सी वरिष्ठ एडवोकेट बाबू विशंभर सिंह पुंडीर ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए जरूरी है। जिसके लिए बहुत ही जुझारू और संघर्षील पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा 25 वर्ष से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। हमने भी 45 वर्ष से हाई कोर्ट की बेंच के लिए लगातार संघर्ष किया है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम सबको मिलकर पृथक राज्य की लड़ाई को लड़ना होगा। जिसमें हम पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के साथ हैं। बैठक को संबोधित करते हुए सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि हम पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने को तैयार हैं और इस संघर्ष में हम भगत सिंह वर्मा जी के साथ हैं। राजीव गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पृथक राज्य का निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बैठक का संचालन सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के महासचिव निशांत त्यागी एडवोकेट ने किया। बैठक को सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अरविंद शर्मा एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष अभय सैनी एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद शर्मा एडवोकेट, रणधीर सिंह एडवोकेट, चौधरी महिपाल सिंह एडवोकेट ने भी संबोधित किया। बैठक में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक, संरक्षक रामचंद्र गुर्जर, महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, मोहम्मद वली उल्लाह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुधीर चौधरी, संजय चौधरी, मुख्तार एडवोकेट, राशिद एडवोकेट, रविंद्र सिंह एडवोकेट, संदीप एडवोकेट, मुनव्वर, आफताब, नोनिश, देवेंद्र पवार, नरेंद्र सिंह, सत्येंद्र चौहान, जितेंद्र चौहान, सुखपाल सिंह, विनीत कौशिक, सतीश चौधरी, देवेंद्र चौधरी, संजय, कार्तिक राना, शाहनवाज मलिक आदि अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने के संकल्प के साथ मैदान में उतरे कार्यकर्ता - बहादुर सिंह चौहान

भाजपा संगठन पर्व जिला कार्यशाला संपन्न, शाजापुर जिले में 3 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ।

शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और इन्ही कार्यकर्ताओ के कारण आज यह विश्व का सबसे बड़ा राजनेतिक दल बन गया है। इस बार हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने तय किया है कि देश में 10 करोड़ नए सदस्य बनाना है। प्रदेश नेतृत्व ने भी 1.5 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया है और शाजापुर जिले को भी 3 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है, जिसे सभी कार्यकर्ताओ को मिलकर पूरा करना है। यह बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बहादुर सिंह चौहान ने शनिवार को जिला कार्यालय पर सदस्यता अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में कही। उन्होंने नए सदस्यता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि प्रदेश संगठन ने मध्यप्रदेश में 1.5 करोड़ नए सदस्य जोड़ने का महत्वाकांक्षी संकल्प लिया है। शाजापुर जिले में इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर कार्यकर्ता को पूरे जोश और समर्पण के साथ जुटना होगा। सदस्यता अभियान प्रदेश में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगा । मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता अपनी मेहनत से प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों को जीतकर एतिहास बना चुके हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में 163 सीटों में जीतकर इतिहास कायम कर चुके हैं। इस सदस्यता अभियान में शाजापुर जिले ने भी 3 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया है जिसे आप सभी कार्यकर्ताओ को पूरा करना है। इस अवसर पर प्रशिक्षक एवं प्रदेश प्रवक्ता राजपालसिंह सिसोदिया ने एल ई डी स्क्रीन पर पी पी टी के माध्यम से नए सदस्य बनाने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा कि यह सदस्यता अभियान संगठन का महापर्व है और इसमें सभी कार्यकर्ताओ की भागीदारी सुनिश्चित होना चाहिए, इसके लिए कार्यकर्ता अभी से इस अभियान की रूपरेखा तय कर ले। जिला स्तरीय कार्यशाला के बाद मंडल स्तर पर ये कार्यशाला आयोजित होगी और उसके बाद शक्ति केंद्र और 31 अगस्त को पूरे प्रदेश के सभी बूथों पर एक साथ उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला के अवसर पर क्षेत्रीय सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, पूर्व विधायक जसवंतसिंह हाड़ा, जिला महामंत्री दिनेश शर्मा भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विजयसिंह बैंस ने किया तथा आभार जिला महामंत्री संतोष बराड़ा ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने दी।

मोन्टफोर्ट स्कूल व पीजी पायस इंटर कॉलेज गागलहेडी की दोनों संस्थाओं में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया भगवान श्रीकृष्ण का 5251 वां जन्मोत्सव

कालेज के विद्यार्थियों ने गोविन्दाओं की टोली बनाकर दही-मक्खन की 20 फीट ऊँची मटकी फोड़ी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर (गागलहेडी), मोन्टफोर्ट स्कूल व पी0जी0 पायस इंटर कॉलेज गागलहेडी की दोनों संस्थाओं में आज भगवान श्रीकृष्ण का 5251 वां जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कालेज के विद्यार्थियों ने गोविन्दाओं की टोली बनाकर दही- मक्खन की 20 फीट ऊँची मटकी फोड़ी। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में भगवान श्रीकृष्ण की कई बाल लीलाओ का सुंदर मंचन कालेज के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। दही-हांडी फोड प्रतियोगिता में गोविन्दा बने गोविन्द की टोली ने गोविन्दा आला रे गाने पर नृत्य करते हुए 20 फीट ऊँची दही, मक्खन की मटकी को फोडा। गोविन्दाओं की टोली में सागर, समद, हितेश, आर्दश, दिव्यांश, विश्वजीत, ऑर्निक, आधार, हार्दिक, वेदिका, कशिश, शैली, दिव्या, सिमरन, नव्या शर्मा आदि की टीम ने मिलकर दही, मक्खन की मटकी को फोडा। सभी विधार्थियों ने हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयकारो से वातावरण को भक्तिमय बनाकर मटकी फोडने वाली टोली का उत्साहवर्धन किया। प्रबंधक पंकज गर्ग ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के 5251 वें जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ दी। प्रधानाचार्या मनोज यादव व कोडिनेटर पारुल सचदेवा ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप से शिक्षा लेते हुए आपस में मिल-जुलकर बुराई के विरोध में लडना चाहिए। राधा कैसे न जले गाने पर जिया, रिद्धिमा, आस्था, अवनी, निखत, शगुन, अदिति, वैष्णवी, अपेक्षा, आरुषि, आंन्वी ने शानदार नृत्य किया। कोरियोग्राफी नंदनी भारद्वाज ने की। कार्यक्रम का संचालन ईशानी शर्मा व फरीन नेक ने किया।

इस अवसर पर दीपचंद, प्रीति, आकांक्षा, मानसी, श्वेता मेहरा, स्नेहा, नेहा वर्मा, रुचि शर्मा, रिंकी गुप्ता, विभा शर्मा, सारिका आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के प्रयासों से रेलवे द्वारा चलाई गई दो एग्जाम स्पेशल ट्रेन

छात्रों की सुविधा एवं सुगमता के लिए लिया गया निर्णय :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के प्रयासों से पुलिस भर्ती परीक्षार्थियों की सुविधाओं एवं सुगमता के लिए रेलवे की तरफ से 08 कोच वाली 02 एग्जाम स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जनपद में संचालित आरक्षी पुलिस भर्ती के दृष्टिगत जनपद में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए जाएंगे एवं आएंगे। गाडी संख्या 04317 सहारनपुर रेलवे स्टेशन से सायं 05:20 बजे चलकर रूडकी, लक्सर, नजीबाबाद, धामपुर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, तिलहर, शाहजँहापुर, अंझी, हरदोई होते हुए बालामऊ तक जाएगी। गाडी संख्या 04318 मुरादाबाद से अपरान्ह 01:15 बजे चलकर धामपुर, नजीबाबाद, लक्सर, रूडकी होते हुए सहारनपुर पंहुचेगी।

नक्शा तरमीम के कार्य में प्रगति लाएं-कलेक्टर

राजस्व महा अभियान के क्रियान्वयन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
शाजापुर, राजस्व महा अभियान 2.0 के अंतर्गत सभी पटवारी सुनिश्चित करें कि राजस्व संबंधी प्रकरणों का निराकरण कर ग्रामों में नक्शा तरमीम के कार्य में प्रगति लाएं तथा राजस्व विवाद, नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन शून्य बनाएं। उक्त निर्देश कलेक्टर ऋजु बाफना ने राजस्व महा अभियान के अंतर्गत शुजालपुर तहसील के ग्राम चाकरोद, कालापीपल के ग्राम घट्टी मुख्तियारपुर, खोकराकलां एवं खरदोनकला में किए जा रहे क्रियान्वयन के निरीक्षण के दौरान दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी अर्चना कुमारी, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, जनपद पंचायत शुजालपुर रुषाली पोरस, जनपद पंचायत सीईओ राजकुमार मंडल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कार्यपालन यंत्री वीएस चौहान, तहसीलदार कैलाश सस्त्या, नायब तहसीलदार किरण धाकड़ मौजूद रहे। कलेक्टर ने राजस्व महा अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों के निरीक्षण में सभी राजस्व अधिकारी एवं पटवारियों को निर्देश दिए कि नक्शा तरमीम के कार्य में प्रगति लाएं। उन्होंने सीमांकन, नामांतरण, बटवारा एवं अन्य राजस्व संबंधी कार्यों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने सभी किसानों की भूमि के खसरे को ई-केवायसी कर समग्र एवं आधार से लिंक करने के निर्देश दिए। उन्होने पटवारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को नक्शा तरमीम करने के लिए प्रेरित करने, नक्शा तरमीम के फायदे एवं भविष्य में होने वाले विवादों से बचा जा सकता है कि जानकारी दें। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। ग्रामीणों ने पेयजल सहित अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया।

दो पटवारियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश ग्राम चाकरोद एवं घट्टी मुख्तियारपुर में नक्शा तरमीम के कार्य में प्रगति कम होने पर पटवारियों के 05-05 दिन का वेतन रोकने के निर्देश कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर को दिए। साथ ही उन्होने पटवारियों को 31 अगस्त तक नक्शा तरमीम के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक कार्य में प्रगति नहीं आए तो संबंधित पटवारी का पुनः 10 दिवस का वेतन रोकने की कार्रवाई करें। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने सर्वप्रथम शुजालपुर में निर्मित हो रहे सिविल अस्पताल के कार्य को देखा। उन्होने संबंधित ठेकेदार एवं एमपी हाऊसिंग के अधिकारी को समयसीमा में सिविल हॉस्पिटल बनाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम चाकरोद में पीएमश्री शासकीय हाईस्कूल चाकरोद में आईसीटी लैब का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अच्छे तरीके से पढ़ाई करें एवं प्रदेश स्तर पर मेरिट सूची में आएं। कलेक्टर ने बीईओ को निर्देश दिए कि जिला शिक्षा कार्यालय से पाठ्यक्रम संबंधी वीडियो उपलब्ध करवाएं एवं उनके माध्यम से बच्चों को पढ़ाई कराएं। कलेक्टर ने शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय चाकरोद में कक्षा 3री एवं 4थीं के बच्चों से कविता, कहानी पढ़वाई। साथ ही उनसे जोड़ एवं घटाने के सवाल पूछे। बच्चों द्वारा ब्लैक बोर्ड पर पूछे गए सवालों को हल किया गया, सही जवाब देने वाले बच्चों की कलेक्टर एवं उपस्थित अधिकारियों ने ताली बजाकर प्रशंसा की। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने के लिए कहें एवं उनके माता-पिता को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। साथ ही शिक्षकों को बच्चों की पढ़ाई को और बेहतर करने के साथ ही सही रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। ग्राम खरदौनकलां में ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनवाड़ी भवन बनाने के निर्देश सरपंच एवं सचिव को दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों की मांग पर खरदौनकलां कुरावर मार्ग पर नव-निर्मित पुलिया को देखा। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित उपाय करें। साथ ही पुलिया पर स्लोप बनाने, रेडियम लगाने, साईन बोर्ड लगाने सहित अन्य आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत भैंसायागढ़ा में मनरेगा योजना अंतर्गत निर्मित श्रीदेवनारायण स्वामी गौशाला का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने गौशाला में लाईट, पंखे, शेड, वर्मी कम्पोस्ट, भूसे की उपलब्धता रखने सहित गौशाला के सुचारू संबंधी अन्य आवश्यक निर्देश ग्राम पंचायत के सरपंच को दिए।

राजस्व महा अभियान 2.0 में पटवारियों पर की जा रही कार्रवाई को लेकर पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, प्रांतीय आह्वान पर शाजापुर-शुजालपुर एसडीएम को पटवारी संघ द्वारा राजस्व महा अभियान 2.0 में पटवारियों पर की जा रही कार्रवाई एवं तरमीम, बटांकन में आ रही समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि सीएम हेल्पलाईन के नाम पर अनुभाग शाजापुर की तहसील शाजापुर, मोमन बड़ोदिया, गौलाना के पटवारियों का पांच दिन का वेतन रोका गया। वहीं शून्य प्रगति वाले पटवारियों का 10 दिवस का वेतन रोका गया। मोमन बड़ोदिया के पटवारी महेन्द्र चांदना को बिना किसी कारण के निलंबित किया गया, जिसमें में संबंधित पटवारी की कोई गलती नही थी, वर्तमान में राज महाअभियान 2.0 में पटवारियों पर अत्यधिक मानसिंक दबाव बनाकर कार्य करवाया जा रहा है और दैनिक लक्ष्य दिए जा रहे हैं जबकि पटवारी अपनी क्षमताओं से अधिक कार्य कर रहा है। ज्ञापन में बताया कि पटवारी अत्यधिक मानसिक दबाव में कार्य कर रहे हैं जिससे पटवारी के साथ कोई दुर्घटना हो सकती है जिसकी समस्त जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी। इसी तरह अन्य पटवारियों पर की गई कार्रवाई का ज्ञापन में उल्लेख किया गया। साथ ही बताया कि अभियान में अधिकारियों द्वारा पटवारियों पर अनावश्यक दबाव बनाकर नियम विरूद्ध तरमीम-बटांकन का कार्य कराया जा रहा है, जो निश्चित ही भविष्य में किसी बड़े विवाद का कारण बन सकता है, क्योंकि तरमीम बटांकन का कार्य राजस्व विभाग का बहुत महत्वपूर्ण कार्य है और दबाव बनाकर कार्य कराने से त्रुटि होने की संभावना है। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में वर्षाकाल का समय है, खेतों में फसल खड़ी है जिस कारण खेत की सीमाओं का मिलान करना संभव नही है एवं खेत की माप करना भी संभव नही है, जबकि नक्शा तरमीम में मौका मिलान अतिआवश्यक है। अनुभाग शुजालपुर तहसील, कालापीपल, अं बड़ोदिया, पोलायकलां के लगभग 95 प्रतिशत गांवों का बंदोबस्त नही हुआ है, वर्ष 1925 में बंदोबस्त हुआ था जिसकों लगभग 100 वर्ष हो चुके हैं। मप्र भू-राजस्व संहिता के अनुसार बंदोबस्त की अवधि 30 वर्ष की रहती है, 30 वर्ष बाद पुनः बंदोबस्त किया जाना चाहिए, परंतु शासन द्वारा एक भी बंदोबस्त नही कराया जबकि इस अवधि में लगभग तीन बंदोबस्त होना था, बंदोबस्त नही होने के कारण नक्शा व मौ की स्थिति में काफी भिन्न हो गई है। अनुभाग शुजालपुर के अधिकतर ग्रामों की वर्ष 1982-83 में चकबंदी हुई थी, चकबंदी में अभिलेख तो चकबंदी अनुसार बना दिए गए परंतु मौके पर उसके अनुसार कब्जा परिवर्तित नही हुआ जिससे मौका एवं अभिलेख आपस में मेल नही होता है। ऐसे में मौके पर कोई और भूमिस्वामी बैठा है तथा अभिलेख में किसी और भूमिस्वामी का नाम दर्ज है। ज्ञापन में पटवारियों पर दबाव नही बनाए जाने और पटवारियों पर की गई सभी कार्रवाईयों को शीघ्रातिशीघ्र वापस लिए जाने की मांग की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि समाधान नही होने पर पटवारियों के द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

गुम हुए 105 स्मार्ट मोबाईल फोन

सायबर पुलिस ने आवेदकों को लौटाए

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, गुम हुए 105 स्मार्ट मोबाईल को तलाश कर सायबर सेल ने पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में आवेदकों को लौटाने की कार्रवाई की। लौटाए गए मोबाईल फोन की कीमत करीब 16 लाख रुपये है। जिले के विभिन्न थाना अंतर्गत रहने वाले नागरिकों के मोबाईल किसी न किसी कारण से कहीं गुम हो गए थे या गिर गए थे। ऐसे में पीड़ित मोबाईल धारकों द्वारा शाजापुर सायबर सेल को गुम मोबाईल खोजने हेतु आवेदन पत्र दिए गए थे, जिस पर से पुलिस अधीक्षक शाजापुर यशपालसिंह राजपूत के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल के मार्गदर्शन में गुम हुए मोबाईलों की सर्चिंग शुरू की गई और सायबर सेल द्वारा वर्ष 2022-2024 में गुम मोबाईल के आवेदन में संबंधित थाने की मदद से प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल 105 नग मोबाईल कीमत लगभग 16 लाख रुपये बरामद कर शनिवार को विभिन्न आवेदकों को लौटाए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उक्त मोबाईल अधिकतर साप्ताहिक बाजार में लापरवाही से गिरने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों में भूलने एवं आवागमन के समय जेब से गिरने से गुम हुए थे। साइबर टीम द्वारा पुलिस लगातार सर्चिंग कर गुम मोबाईल प्रदेश के विभिन्न जिलों से बरामद किए। मोबाईल खोजने में सायबर सेल प्रभारी प्रआर विकास तिवारी, आ राजेश दांगी, आर अनिल सक्सेना एवं आर घनश्याम राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि गांव-शहर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार एवं अन्य व्यस्ततम क्षेत्रों में मोबाईल फोन सावधानी पूर्वक सुरक्षित रखें। खासकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर मोबाईल फोन उपर सामने वाली जेब में रखने के दौरान सतर्कता बरतें।

बहुत अच्छा प्लांटेशन हुआ है-कलेक्टर कोचर

एक पेड़ माँ के नाम किया पौधारोपण वन विभाग ने 76 हेक्टेयर जमीन को कर दिया हराभरा

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज बिसनाखेड़ी ग्राम के समीप वन वीट एरिया का निरीक्षण किया । इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, वनमंडलाधिकारी एसएस उइके ने एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पौधारोपण की प्रशंसा की और कहा बहुत अच्छा प्लांटेशन हुआ है कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने यहां वीट में कार्य कर रहे श्रमिकों से बात की और कहा सभी लोग यही काम करिए, वनमंडलाधिकारी ध्यान रखेंगे। यहां काम मिल जाये तो आपके लिए बहुत अच्छा है वनमंडलाधिकारी एम.एस. ऊईके ने बताया बिसनाखेड़ी गांव के पास जो 76 हेक्टर कैंपा मद से जमीन मिली है जिसका निरीक्षण करने के लिए कलेक्टर साहब और एसपी साहब यहां पर आए थे। यह एरिया 76 हेक्टेयर में है और उसमें 76 हजार पौधे लगे हैं, यहां पर आंवला, सागौन, बहेड़ा, बांस और भी ऐसी 15 प्रकार की प्रजातियां लगी हुई है। उन्होंने कहा लगभग 95 प्रतिशत के आसपास पौधे अभी जीवित है और कुछ पौधे मर भी हैं, जिन्हें हम कैजुअल्टी कर रहे हैं, कैजुअल्टी का काम मौके पर चल रहा है और निदाई का काम भी चल रहा है। हमें पूरी तरह से ब्लैंक पहाड़ी मिली थी इसको हमने आज की स्थिति में हरा-भरा कर दिया है। इसके पूर्व कलेक्टर कोचर एवं पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने वनमंडलाधिकारी उइके के साथ हथनी नर्सरी का भी जायजा लिया। उइके ने हथनी नर्सरी की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जिला स्तर पर गठित दल द्वारा बागली विकासखण्ड के ग्रामों में खेतों का किया निरीक्षण

किसानों को फसलों में कीटव्याधि की रोकथाम के लिए सलाह

देवास -जिला स्तर पर गठित दल द्वारा बागली विकासखण्ड के पुंजापुरा, भीकूपुरा, उदयनगर, बिसाली, सिरोल्या, मिर्जापुर और पोलाखाल ग्रामों के सोयाबीन और मक्का फसल के खेतों का निरीक्षण किया। दल में सहायक संचालक कृषि श्री विलास पाटिल, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री आर.के. विश्वकर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र देवास के डॉ. अरविन्दर कौर, कृषि वैज्ञानिक और फसल बीमा कंपनी एसबीआई जनरल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड के श्री देवीशंकर भामसर शामिल थे। निरीक्षण के दौरान दल ने किसानों को सलाह दी कि खेत में जलभराव की स्थिति में जल निकास का प्रबंधन करें। एन्थ्रान्कोज रोग के लक्षण दिखाई देने पर टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 एमएल/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 एमएल/हे) या टेबूकोनाझोल 10 प्रतिशत+सल्फर 65 प्रतिशत डब्ल्यूजी (1.25 किग्रा./हे) का छिड़काव करें। आवश्यकता अनुसार दूसरा छिडकाव 15 दिवस के बाद करें। एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु फफूंद नाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20 प्रतिशत डब्ल्यूजी (375-500 ग्रा0/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 ग्राम/ली0 पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 ग्राम/ली. का छिड़काव करें। पीले मोजेक रोग सफेद मक्खी के प्रकोप के कारण होता है। इसके प्रबंधन के लिए एसीटेमीप्रीड 25 प्रतिशत बायफेंथ्रिन 25 प्रतिश डब्ल्यूजी (250ग्रा./हे) का छिडकाव करें। इसके स्थान पूर्व मिश्रित कीटनाशक थायोस्मथोक्सम+लैम्बडा सायहेलोथ्रिं (125 एमएल/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिर्डाक्लोप्रीड (350 एमएल/हे) का भी छिड़काव करें। सेमिलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए क्लोरएट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150 मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट (425 मि.ली./हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 ग्राम/ली.या फ्लूबेंडिंयामाइड 20डब्लूजी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडिंयामाइड 39.35 एस.सी (150मि.ली.) प्रति हेक्टेयर के मान से छिड़काव करें। मक्का फसल में इल्ली के नियंत्रण के लिए क्लोरएट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (200 मि.ली./हे) का छिड़काव तने के मध्य करने की एवं खेत में टी आकार की खूंटी पक्षियों को बैठने हेतु लगाने की सलाह दी गई, जिससे इल्लियों का जैविक नियंत्रण किया जा सके।

पत्रकार एकजुट होकर ही संगठन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं : राठौर

पेटलावद रोड पर जल्द ही कार्यालय का श्री गणेश होगा, जहा सभी पत्रकार बैठकर अपना कार्य कर सकेंगे

बदनावर। संगठन का उद्देश्य सभी के हितों की रक्षा करना होता है, इसलिए संगठन के भीतर आपसी सहयोग, समर्थन, और समझ का माहौल बनाना आवश्यक है। इससे सभी सदस्य एकजुट रहकर अपने और संगठन के लक्ष्यों की प्राप्त कर सकते हैं। उक्त बात महाराणा प्रताप राजपूत धर्मशाला आयोजित ग्रामीण तहसील पत्रकार संघ की बैठक में संघ के अध्यक्ष पोप सिंह राठौर पप्पी बना ने कही। ज्ञात हो की ग्रामीण तहसील पत्रकार संघ का गठन कुछ दिन पहले गणेश गार्डन में हुआ था जिसमें सर्व सम्मति से पोप सिंह राठौर को अध्यक्ष, अनूप जायसवाल को सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार रमेश धबाई को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इन्होंने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करने के लिए। संघ की दूसरी बैठक आयोजित की । जिसमें संघ द्वारा आगामी समय में किए जाने वाले कर्यों पर चर्चा की गई। राठौर ने बताया कि ग्रामीण तहसील पत्रकार संघ सभी संगठनों को साथ में लेकर पत्रकारों के हितों के लिए सदाकार्य करेगा। बदनावर स्वतंत्र प्रेस क्लब एवं तहसील पत्रकार संग मिलकर पत्रकार भवन का अधूरा कार्य पूर्ण करवाने के लिए संबंधित विभाग से बात करेंगे एवं अधूरा कार्य पूरा कर पत्रकारों के बैठक की व्यवस्था करेंगे। बस स्टैंड पर बन रहा पत्रकार भवन नगर के पत्रकारों के साथ-साथ ग्रामीण पत्रकारों के लिए भी हमेशा खुला रहेगा। आगामी समय में विशाल कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। वर्तमान में पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था नहीं होने पर शीतला माता बस स्टैंड पर पत्रकार कार्यालय खोला जाएगा। अगले 3 महीने के बाद कानवन, नागदा या अन्य जगह ग्रामीण तहसील पत्रकार संघ की बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें सभी पत्रकारों को आमंत्रित कर संघ के आगामी कार्यों से अवगत कराकर चर्चा की जाएगी। बैठक के पश्चात सभी नवनियुक्त पदाधिकारी का पुष्पमाला पहना कर स्वागत किया । साथ ही बैठक में आए सभी पत्रकारों को कलम एवं डायरी दी गई । इस मौके पर स्वतंत्र प्रेस क्लब संरक्षक दिलीप चौहान, अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, महेश पाटीदार, प्रेमलता जायसवाल, मनीष शर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारी को पुष्पमाला पहनकर स्वागत किया। संगठन में 5 उपाध्यक्ष बनाए गए है। मनोहर पाटीदार, सुरेश चौहान, गोपाल पाटीदार, शिवशंकर रिंगनोदिया, शिवम चौहान, रजनी जायसवाल, सह संगठन मंत्री मदन सिंह देवड़ा, वरिष्ठ सलाहकार अशोक जैन, मिडिया प्रभारी कमलसिंह राठौर, सह मिडिया प्रभारी गोर्वधन धबई, कोषाध्यक्ष प्रदीप पंवार, प्रभु पाटीदार, शान्तिलाल जायसवाल, लखन पाटीदार, चेतन सिंदल, श्रवण गौर, विजय द्ववेदी, दीपक डोडीया, भेरूलाल रघुवंशी, कुसुम रघुवंशी, रुपसिंह सिसोदिया, नारायण मकवाना, अनुप मिश्रा, राहुल चौहान, अरुण पाठक, बन्टी चौहान, एवं समस्त पत्रकार साथी उपस्थित थे आभार गोपाल पाटीदार ने माना।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के जन्मदिन पर बाबा सिद्धनाथ का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया अभिषेक

कन्नौद शनिवार को पूर्व केबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के जन्मदिन के अवसर सिद्ध क्षेत्र नेमावर में खातेगांव विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा पुण्य सलिला मां नर्मदा एवं भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर दीर्घायु होने एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अवसर पर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजवीर कुड़िया जनपद अध्यक्ष मेराम धनवारे जनपद उपाध्यक्ष मनीष पटेल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बिश्नोई मोहन बिलौदा चिमना बाँता विनोद चावड़ा आशीष सोनी दिलीप तोमर शीतल पंडा मिश्रीलाल वर्मा देवेंद्र गुर्जर आदि कांग्रेस जन उपस्तिथ रहे

ISIS ने ली जिम्मेदारी

जर्मनी में उत्सव दौरान चाकू हमले में 3 लोगों की हत्या; संदिग्ध गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क: जर्मनी के सोलिंगन शहर में एक उत्सव के दौरान शुक्रवार देर रात चाकू से हमला कर तीन लोगों की हत्या करने और आठ लोगों को घायल करने वाले संदिग्ध को पुलिस ने शनिवार तड़के हिरासत में ले लिया। उत्तरी राइन वेस्टफेलिया के गृह मंत्री हर्बर्ट रूल यह जानकारी दी। हर्बर्ट रूल ने जर्मन सरकारी टेलीविजन नेटवर्क 'एआरडी% के समाचार कार्यक्रम 'टैग्सचाउ में कहा, ''हम पूरे दिन एक महत्वपूर्ण सुराग पर नजर रखे हुए थे। जिस व्यक्ति को हम पूरे दिन खोज रहे थे, उसे कुछ देर पहले हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। रूल ने कहा कि पुलिस के पास न केवल ''सुराग हैं, बल्कि उसने ''कुछ साक्ष्य भी एकत्र किए हैं। इस्लामिक स्टेट समूह (आईएस) ने सोलिंगन में हुए इस हमले की शनिवार को जिम्मेदारी ली थी। द्धस्द्धस् ने अपनी समाचार वेबसाइट 'अमाक पर यह दावा करते हुए कहा था कि हमलावर ने ईसाइयों को निशाना बनाया और वह इस्लामिक स्टेट का सिपाही है, जिसने फलस्तीन और दूसरी जगहों पर मुसलमानों का बदला लेने के लिए यह हमला किया। आईएस के दावे की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी। शनिवार की सुबह 15 वर्षीय एक लड़के को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा था कि उस पर इस योजनाबद्ध हमले के बारे में जानकारी होने और अधिकारियों को इस बारे में सूचित न करने का आरोप है, लेकिन वह हमलावर नहीं है। पुलिस ने बताया था कि प्रत्यक्षदर्शियों ने शुक्रवार रात साढ़े नौ बजे के बाद उसे सूचित किया कि एक अज्ञात अपराधी ने फ्रोंहोफ चौराहे पर उत्सव के दौरान चाकू से अंधाधुंध हमला कर कई लोगों को हताहत कर दिया है। पुलिस के अनुसार, इस हमले को संभवत- केवल एक व्यक्ति ने अंजाम दिया। शहर की 650वीं वर्षगांठ के अवसर पर ''विविधता उत्सव शुक्रवार को शुरू हुआ था और इसका आयोजन रविवार तक होना था। हमले के बाद उत्सव के शेष कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। जर्मनी में चाकू से हमलों की घटनाओं में हालिया बढ़ोतरी चिंता का विषय बन गई है। स्वयं को ''राजनीतिक इस्लाम का विरोधी बताने वाले एक समूह के सदस्यों पर एक अफगान प्रवासी द्वारा मई में चाकू से किए गए हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान की राह पर चला बांग्लादेश

विश्व बैंक से मांगी 1 बिलियन डॉलर की सहायता

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने विश्व बैंक से बजटीय सहायता के रूप में 1 बिलियन डॉलर की मांग की है। यह अनुरोध ढाका में बुधवार को हुए एक बैठक में किया गया, जिसमें बांग्लादेश और भूटान के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर अब्दुलाय सेक और बांग्लादेश के बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधन सलाहकार मुहम्मद फौजुल कबीर खान शामिल थे। बांग्लादेश सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि मंत्रालय पर बिजली और ऊर्जा के आयात की लागत के रूप में 2 बिलियन डॉलर से अधिक का बकाया है। फौजुल कबीर खान ने बैठक के दौरान बताया कि अंतरिम सरकार को पिछली सरकार द्वारा छोड़े गए 2 बिलियन डॉलर के ऋण का निपटान करना है, जो बिजली क्षेत्र में जमा हो गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही बहु-आलोचित बिजली और ऊर्जा आपूर्ति अधिनियम 2010 के तहत गतिविधियों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने बिना सार्वजनिक सुनवाई के ऊर्जा की कीमतें निर्धारित करने की सरकार की शक्ति को समाप्त कर दिया है।

यह कदम 5 अगस्त को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद उठाया गया है, जिसने जनवरी 2009 से उनके शासन को समाप्त कर दिया। इस घटना को बड़े पैमाने पर वृद्धि के रूप में देखा गया, जिसकी शुरुआत छात्रों के विरोध प्रदर्शन से हुई और जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में एक बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है। अंतरिम सरकार की इस सहायता की मांग को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और विश्व बैंक से प्राप्त सहायता से देश की मौजूदा स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

युद्ध का खतरा बढ़ा ! इजराइल की लेबनान पर तोबड़तोड़ एयर स्ट्राइक

दुश्मन हिजबुल्लाह ने भी किया बड़ा पलटवार

यरूशलम: इजराइली सेना ने शिया मिलिशिया हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर रविवार तड़के लेबनान में हवाई हमले किए और कहा कि चरमपंथी समूह द्वारा ''इजराइली क्षेत्र की ओर मिसाइल और रॉकेट दागने की तैयारी करने के मद्देनजर ये हमले किए किए। इसके कुछ ही देर बाद हिजबुल्ला ने रविवार सुबह घोषणा की कि उसने बेरूत में उसके एक कमांडर की हत्या का बदला लेने के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन दागकर इजराइल पर हमला किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि वह और उनके रक्षा मंत्री योआव गैलेंट तेल अवीव में सैन्य मुख्यालय से इस अभियान का प्रबंधन कर रहे थे। गैलेंट ने ''घरेलू मोर्चे पर विशेष स्थिति की घोषणा की। इन हमलों के कारण क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर युद्ध छिड़ने का खतरा बढ़ गया है और इससे गाजा में युद्ध विराम समझौते के प्रयास विफल हो सकते हैं।

इजराइली सेना ने एक बयान जारी कर हिजबुल्ला द्वारा ''इजराइली क्षेत्र की ओर मिसाइल और रॉकेट दागने की तैयारी किए जाने का दावा किया। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा, ''इन खतरों से बचने के लिए (इजराइली सेना द्वारा) आत्मरक्षा में लेबनान में उन आतंककवादी ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, जहां से हिजबुल्ला इजराइल के आम नागरिकों पर हमले करने की साजिश रच रहा था। हगारी ने सचेत किया कि हिजबुल्ला इजराइल में ''जल्द ही रॉकेट और संभवत: मिसाइल एवं ड्रोन दागेगा। इसके तुरंत बाद ही उत्तरी इजराइल में सायरन बजने लगे। इस बीच, हिजबुल्ला ने कहा कि उसने ''एक अहम इजराइली सैन्य स्थल को निशाना बनाकर हमला किया है और इस स्थल के संबंध में बाद में जानकारी दी जाएगी तथा साथ ही ''दुश्मन के कई स्थलों एवं बैरकों और 'आयरन डोम मंचों को भी निशाना बनाया गया।

उसने कहा कि ये हमले पिछले महीने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुए हमले में समूह के शीर्ष कमांडर फौद शुकूर की हत्या के जवाब में किए गए। इससे पहले, इजराइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले किए जाने की घोषणा करते हुए कहा था कि चरमपंथी समूह, इजराइल पर हमले की तैयारी कर रहा है। लेबनानी मीडिया ने देश के दक्षिणी भाग में हमलों की खबर दी, लेकिन इनके बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। सोशल मीडिया पर उपलब्ध कुछ वीडियो में दक्षिणी लेबनान में हमले होते दिखाई दिए। लेबनान में इजराइली हवाई हमलों के बाद तेल अवीव के बाहर स्थित इजराइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाली उड़ानों का मार्ग रविवार को परिवर्तित कर दिया गया तथा अन्य विमानों के उड़ान भरने में देरी हुई। इजराइली मीडिया ने इजराइली हवाई अड्डा प्राधिकरण के हवाले से यह खबर दी। उड़ानों के आवागमन पर नजर रखने वाले 'फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि इस घोषणा के बाद 'ईएल एआई की कम से कम दो उड़ानें दक्षिण की ओर मुड़ गईं और उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया।

हगारी ने अपने बयान में कहा, ''हम देख सकते हैं कि हिजबुल्ला लेबनानी नागरिकों को खतरे में डालते हुए इजराइल पर व्यापक पैमाने पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। हगारी ने इस खुफिया जानकारी के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''जिन क्षेत्रों में हिजबुल्ला सक्रिय है, हम उन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सचेत करते हैं कि वे अपनी सुरक्षा के लिए वहां से तुरंत चले जाएं। इजराइली हमले में हिजबुल्ला के एक शीर्ष कमांडर की मौत और ईरान में संदिग्ध इजराइली हमले में हमास नेता इस्माइल हनिया की मौत के बाद से यह आशंका प्रबल हो गई है कि गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है।

ये हमले ऐसे समय में किए गए हैं जब मिस्र हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध को समाप्त करने के लिए नए दौर की वार्ता की मेजबानी कर रहा है। हिजबुल्ला ने कहा है कि युद्ध विराम समझौता होने पर वह युद्ध रोक देगा। हमास द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किए जाने के बाद इजराइल ने गाजा पर हमले शुरू कर दिए थे। इसके बाद से ही हिजबुल्ला इजराइल पर हमले कर रहा है। हिजबुल्ला को अपने सहयोगी हमास से कहीं अधिक शक्तिशाली माना जाता है और उसके पास 1,50,000 रॉकेट एवं मिसाइलों का अनुमानित भंडार है, जिसमें मिसाइलें भी शामिल हैं।

मुख्य आरोपी संजय रॉय का आज होगा पॉलीग्राफ टेस्ट कल तकनीकी खामी की वजह से नहीं हो पाया था

पश्चिम बंगाल । कोलकाता में डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मुख्य आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट आज किया जाएगा। पहले यह टेस्ट शनिवार को निर्धारित था, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से इसे टाल दिया गया था। अब यह टेस्ट रविवार यानी आज किया जा सकता है। शनिवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉक्टर संदीप घोष और चार अन्य डॉक्टरों समेत कुल छह लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया। संजय रॉय को उच्च सुरक्षा के तहत जेल के सेल नंबर 21 में रखा गया है, जहां वह अकेले हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेल के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा सके।

सीबीआई और पुलिस संजय रॉय के बयानों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। रेप और हत्या के मुख्य आरोपी संजय रॉय जांचकर्ताओं को जानबूझकर गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। वह न तो अपने चेहरे पर लगी चोटों के बारे में स्पष्ट जानकारी दे पा रहे हैं और न ही यह बता पा रहे हैं कि अपराध के समय वह इमारत में कैसे मौजूद थे।

पीड़िता ने अपनी जान बचाने की बहुत कोशिश की ...

टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, संजय रॉय की दोनों बांहों पर चोट के स्पष्ट निशान हैं। यह संभावना जताई जा रही है कि पीड़िता ने अपनी जान बचाने के प्रयास में संजय रॉय के साथ संघर्ष किया होगा। सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, जब 14 अगस्त को संजय रॉय को हिरासत में लिया गया, तो उनकी बाईं और दाईं बांहों पर कोहनी तक चोट के निशान पाए गए। यह जानकारी इस बात की ओर इशारा करती है कि रॉय की चोटें पीड़िता के साथ हुए संघर्ष के दौरान लगी होंगी।

अपराध के प्रति किसी भी प्रकार का पश्चाताप नहीं

संजय रॉय की मनोविश्लेषणात्मक प्रोफाइलिंग में यह बात सामने आई है कि वह पोर्न फिल्म देखने का अत्यधिक आदी है। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि एक डॉक्टर ने रॉय की प्रवृत्तियों को जानवर जैसी विशेषताएं बताई हैं। इसके अलावा, यह भी खुलासा हुआ है कि रॉय ने अपराध के प्रति किसी भी प्रकार का पश्चाताप नहीं दिखाया। पिछले सप्ताह, सीबीआई के एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की थी कि आरोपी ने पूरी जांच प्रक्रिया के दौरान अपराध के सभी पहलुओं को बिना किसी पछतावे के खुलासा किया। यह उसकी मानसिक स्थिति और अपराध के प्रति उसकी संवेदनहीनता को और स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

CBI ने पूर्व प्रिंसिपल के घर छापेमारी की...

वहीं आज सुबह सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर समेत कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी की। जब सीबीआई अधिकारी सुबह 6ः45 बजे संदीप घोष के घर पहुंचे, तो उन्हें करीब 75 मिनट तक गेट के बाहर इंतजार करना पड़ा। इस लंबे इंतजार ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि संदीप घोष को दरवाजा खोलने में इतनी देरी क्यों हुई। अब इस पर संदेह जताया जा रहा है कि क्या संदीप घोष किसी महत्वपूर्ण जानकारी को छुपाने की कोशिश कर रहे थे। यह देरी और छापेमारी के दौरान मिली जानकारियां सीबीआई के लिए चिंता का विषय बन गई हैं और संदीप घोष के प्रति संदेह को और बढ़ा रही हैं।

छठ के बाद राज्यव्यापी संकल्प यात्रा शुरू करेंगे पप्पू यादव, कहा- देश के युवाओं को नफरत की आग में झोंक रही सरकार

पटना । बिहार में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि वह राज्य के 14 करोड़ लोगों की रक्षा और देश में नफरत के खिलाफ छठ के बाद राज्यव्यापी संकल्प यात्रा निकालेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं पूर्णिया और बिहार की जनता के लिए काम करने को समर्पित हूं। यही वजह है कि मैंने लगातार सदन में पूर्णिया के विकास और हवाईअड्डा का मुद्दा उठाया। आखिरकार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी पूर्णिया की याद 20 साल बाद आ ही गई और वह भले अपने प्रोटोकॉल में संसद को नहीं रखते होंगे, लेकिन यह पूर्णिया की जनता की जीत है कि आज बिहार के मुख्यमंत्री को पूर्णिया जाना पड़ा।

सांसद ने कहा कि जम्मू कश्मीर, हरियाणा, झारखंड के आगामी विधानसभा चुनाव में भी उनका समर्थन कांग्रेस और गठबंधन को रहेगा। उन्होंने देश के किसानों, अग्निवीर योजना, आरक्षण और युवाओं के रोजगार के मुद्दों पर सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसान के मरने के बाद आपने क्या किया। अग्निवीर योजना के वादे कहां गए। देश के युवाओं को नफरत की आग में क्यों झोंक रहे हैं। आरक्षण को हटाकर बैकडोर से देश के 124 करोड़ लोगों पर हमला क्यों किया जा रहा है। यादव ने एससी-एसटी क्रीमी लेयर का भी मामला उठाया और लैटरल एंट्री के सरकार के नीति का भी जमकर विरोध किया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार के बजट में बिहार को मिले 59000 करोड़ रुपए को बिहार की रॉयल्टी बताया और कहा कि इस पर खुश होने वाले लोग जनता को यह बताएं कि दूसरे राज्यों को लाखों करोड़ रुपए देने वाली सरकार ने बिहार को क्या दिए। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और पूर्णिया, सीमांचल मगध को विशेष पैकेज मिलना चाहिए, जिसकी लड़ाई हम सदन से सड़क तक लड़ रहे हैं और यह हमारा हक है जो केंद्र सरकार को देना ही पड़ेगा लेकिन आज डबल इंजन के सरकार के लोग अपने हक की मांग क्यों नहीं कर रहे हैं, यह उन्हें बताना चाहिए? सांसद ने कोलकाता में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और बिहार में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि डॉक्टर के रेप ममले में अस्पताल के लोगों की ही भूमिका संदिग्ध है। ऐसे में हमने उसे बंद का विरोध किया था, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। हमने ना आईएमए का विरोध किया और ना ही डॉक्टरों का। वही आईएमए ने सुप्रीम कोर्ट के आर्डर को भी नहीं माना। बिहार की 14 करोड़ जनता असुरक्षित है और सत्ता पक्ष मेरा गुंडा तेरा गुंडा करने में अपनी राजनीतिक हित साथ रहे हैं इसके खिलाफ हम और हमारे साथी संघर्ष को तैयार हैं। यादव ने बिहार में पूर्णिया एयरपोर्ट के अलावा मुजफ्फरपुर रक्सौल और भागलपुर में भी एयरपोर्ट बनाने की मांग की और साथ ही उन्होंने सहरसा में एम्स और पूर्णिया को उप राजधानी बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि इन सब मामलों को उन्होंने 20 दिन के सदन में कई बार उठाया और सरकार का ध्यान इस और आकृष्ट कराया। उन्होंने बताया कि उन्होंने आज इमारतें सरिया में विभिन्न इदारा के ओहदेदारों से मुलाकात की, उन्होंने वक्फ बोर्ड कानून पर भी सवाल उठाया कि बिना अल्पसंख्यकों को शामिल किए कानून कैसे बन सकता है? उन्होंने कहा कि यह जाति और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569